Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 50 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने में देरी को लेकर

गृह मंत्री अमित शाह ने ममता पर साधा निशाना

■ सशस्त्र सीमा बल के फ्रंटियर मुख्यालय में विभिन्न परियोजनाओं के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा करने के लिए आवश्यक जमीन उपलब्ध नहीं कराई।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां सशस्त्र सीमा बल के फ्रंटियर मुख्यालय में विभिन्न परियोजनाओं के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''मैंने सीमा पर बीएसएफ द्वारा बाड़ लगाए जाने के लिए जमीन मुहैया कराने को लेकर कई बार गुहार लगाई लेकिन ममता बनर्जी ने इसे अनसुना कर दिया। मैं सीमा सुरक्षा मजबूत करने के लिए 1,129 एकड़ जमीन की मांग 2014 से कर रहा था। राज्य में (मुख्यमंत्री) शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद ही हमें यह जमीन मिली।'' अमित शाह ने कहा कि राज्य के किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री ने एसएसबी या सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कार्यक्रमों में कभी हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने मंच पर उनके साथ मौजूद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को इस चलन को तोड़ने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री निमंत्रण भेजे जाने के बावजूद एसएसबी के समारोहों में कभी शामिल नहीं हुए। एसएसबी कोई राजनीतिक संगठन नहीं है। यह बल ऐसी बातों से ऊपर है।'' राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने के बाद गुरुवार शाम बागडोगरा पहुंचे अमित शाह ने केंद्र की सुरक्षा संबंधी जरूरतों पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हमें सीमा सुरक्षा मजबूत करने के लिए जो भी चाहिए था, वह शुभेंदु अधिकारी के सत्ता में आने के बाद से मिला। अब तो परियोजनाओं के लिए औपचारिक पत्र भेजे जाने से पहले ही राज्य की मंजूरी मिल जाती है।''

भारत की जेल में जान का खतरा: सौरभ चंद्राकर

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के कथित मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर ने भारत लाए जाने से पहले अपनी जान को खतरा बताया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, ओमान पुलिस और वहां के अधिकारियों के सामने चंद्राकर ने भारत की जेल में अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई है। उसने खुद के साथ परिवार की सुरक्षा की मांग की है। चंद्राकर फिलहाल ओमान में हिरासत में है और भारत लाने की प्रक्रिया चल रही है। चंद्राकर ने भारतीय जांच एजेंसियों के सामने सट्टा नेटवर्क से जुड़ी अहम जानकारी देने की इच्छा जताई है।

युवाओं को 'जॉब सीकर' नहीं, 'जॉब क्रिएटर' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री साय

■ वर्ल्ड लीडर्स फोरम में छत्तीसगढ़ ने रखा युवा-केंद्रित अर्थव्यवस्था का रोडमैप

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय वर्ल्ड लीडर्स फोरम में वैश्विक आर्थिक जगत की प्रमुख हस्तियों के समक्ष छत्तीसगढ़ की तेजी से बदलती आर्थिक तस्वीर, निवेश की व्यापक संभावनाओं और भविष्य के विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपनी पारंपरिक औद्योगिक और खनिज आधारित पहचान से आगे बढ़कर युवा शक्ति, नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप, ग्रीन एनर्जी और आधुनिक विनिर्माण पर आधारित नई अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल बड़े निवेश आकर्षित करना नहीं है, बल्कि निवेश को रोजगार, उद्यमिता, बेहतर आय और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य से जोड़ना है। छत्तीसगढ़ के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले न रहें, बल्कि अपने नवाचार और उद्यमिता के बल पर दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करें, इसी सोच के साथ राज्य की नीतियों और योजनाओं को नया स्वरूप दिया जा रहा है।

फोरम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन सहित भारत और विश्व की अनेक प्रमुख हस्तियां शामिल हो रही हैं।

6.31 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था, 11.57 प्रतिशत की विकास दर

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 में राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 6.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आर्थिक वृद्धि दर 11.57 प्रतिशत रही है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए विकास और जनकल्याण को समान प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के 1.72 लाख करोड़ रुपये के बजट में अधोसंरचना निर्माण, पूंजीगत व्यय और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण एथेनॉल उत्पादन नहीं

■ केंद्र ने कहा-मक्के का हो रहा उपयोग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि चीनी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का कारण एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का इस्तेमाल करना बताना गलत है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग हो रही चीनी का शेयर 2025-26 में कम होकर करीब 9 प्रतिशत हो गया है, जो कि 2022-23 में करीब 12 प्रतिशत था।

साथ ही, कहा कि मौजूदा समय में देश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए मक्के का उपयोग हो रहा है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी कई वजहों से हो रही है, जिनमें उम्मीद से कम घरेलू उत्पादन, त्योहारों के मौसम से पहले बढ़ी हुई मांग, मौसम की वजह से गन्ने की फसल को हुआ नुकसान, दुनिया भर में चीनी की सप्लाई में कमी और इंडस्ट्री के कुछ हिस्सों की तरफ से सट्टेबाजी और जमाखोरी शामिल हैं। मौजूदा सीजन में चीनी का उत्पादन लगभग 306 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जबकि गन्ना उगाने वाले राज्यों का शुरुआती अनुमान लगभग 343 एलएमटी था। गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ-साथ ज्यादा बारिश की वजह से जलभराव से भी उत्पादन पर असर पड़ा है। अनुमान से कम उत्पादन के बावजूद, अक्टूबर में नया क्रशिंग सीजन शुरू होने तक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

राहुल गांधी का 6 घंटे धरना, तब पैलेटगन मामले में एफआईआर

■ कोई नामजद नहीं, प्रदर्शनकारी बोला-आंख खराब हुई

नई दिल्ली। राहुल गांधी के 6 घंटे धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्र साहिल की एफआईआर दर्ज कर ली। लेकिन मामला अज्ञात पर दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप है कि पैलेट गन के छर्रे लगने से उसकी आंख की रोशनी चली गई।

एफआईआर दर्ज करवाने तक राहुल संसद मार्ग थाने के बाहर ही बैठे रहे और एफआईआर के बाद छात्र के साथ थाने से निकले। राहुल शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से थाने पहुंचे थे। जब राहुल की मांग नहीं मानी गई, तो वे डीसीपी से मिले। बातचीत का नतीजा न निकलने पर धरने पर बैठ गए। बोले- जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, हटूंगा नहीं। राहुल ने साहिल को लगे छर्रे दिखाकर कहा था- 'ये छर्रे सबूत हैं, साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई।' राहुल के साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद थे।

राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' का अपमान देश के स्वाभिमान और अमर बलिदानियों की शहादत पर सीधा प्रहार : तोखन साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' को लेकर कांग्रेस के रुख की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए कहा है कि जिस 'वन्दे मातरम्' के उद्घोष ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में लाखों क्रांतिकारियों को मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने का साहस दिया, उस राष्ट्रगीत के प्रति कांग्रेस का रवैया उसकी संकुचित मानसिकता और वोट बैंक की राजनीति को दर्शाता है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री साहू ने कहा कि 'वन्दे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, संस्कृति और करोड़ों भारतीयों की राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। कांग्रेस द्वारा इस पावन गीत के प्रति उपेक्षा दिखाना अमर बलिदानियों और राष्ट्रीय प्रतीकों का खुला अपमान है। श्री साहू ने कहा कि सत्ता और तुष्टीकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस लगातार ऐसे मुद्दों पर राष्ट्रहित के विपरीत खड़ी नजर आती है। एक वर्ग विशेष को साधने के लिए देश की सांस्कृतिक पहचान और गौरव के साथ समझौता करना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत की जनता अपने राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसे 'माँ भारती' की वंदना और राष्ट्रीय स्वाभिमान के इस अमर मंत्र से परहेज क्यों है? श्री साहू ने कहा कि राष्ट्रहित, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगीत राजनीति से परे हैं और इन पर किसी भी तरह का समझौता भारत के लोकतांत्रिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध है।

बलौदाबाजार में केंद्रीय विद्यालय खुलने की उम्मीद

■ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मिले उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाई देने के लिए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के प्रयास अब सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर मंत्री वर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में केंद्रीय विद्यालय की महत्ता और स्थानीय विद्यार्थियों के हित से जुड़े विभिन्न पहलुओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने प्रक्रिया को गति देते हुए जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आश्वस्त किया कि इस विषय पर जल्द ही आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री के इस आश्वासन से जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। मंत्री वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर केंद्र सरकार के स्तर पर बेहद सकारात्मक चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से जल्द निर्णय लेने का आश्वासन मिलना पूरे जिले के लिए सुखद और उत्साहजनक है। सरकारीकार्यकारी सेवाओं की जानकारी पाना

2003 सीजीपीएससी भर्ती में 147 अफसरों के चयन पर सवाल, दोबारा खुलेगी फाइल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की साल 2003 की भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी का मामला 23 साल बाद फिर चर्चा में है। जोगी शासनकाल में हुई इस भर्ती में डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर चयन को लेकर सवाल उठे थे। अब मामला जांच और कानूनी कार्रवाई के अगले चरण में पहुंच गया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो जल्द ही कोर्ट में चालान पेश करने की तैयारी कर रहा है। इस मामले में 15 से ज्यादा प्रशासनिक अधिकारी जांच के घेरे में बताए जा रहे हैं। भर्ती के दौरान मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं की जांच और कैंडिडेट्स को दिए गए अंकों में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे थे। यह भी आरोप है कि स्केलिंग सिस्टम में हेरफेर कर कुछ अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया गया। इससे उनकी मेरिट प्रभावित हुई और उनका महत्वपूर्ण पदों पर चयन हुआ। दस्तावेजों के मुताबिक, एक अभ्यर्थी ने कथित तौर पर सिर्फ एक पेज का उत्तर लिखा था, फिर भी उसे 60 में से 55 अंक दिए गए। वहीं, पूरी उत्तर पुस्तिका लिखने वाले कुछ अभ्यर्थियों को 10 से 15 अंक मिले। अंकों में इस अंतर को लेकर भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठे थे। मामले में साल 2005 के बाद तेजी आई। उम्मीदवार रविंद्र सिंह, वर्षा डोंगरे समेत अन्य कैंडिडेट्स ने आरटीआई के जरिए परीक्षा और मूल्यांकन से जुड़ी जानकारी हासिल की। इसके बाद 2005 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट के नोटिस के बाद पीसएसी ने कथित तौर पर चयन प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी को स्वीकार किया था। करीब 11 साल बाद 2016 में बिलासपुर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने 2003 पीएससी मेंस परीक्षा के सभी वैकल्पिक विषयों की दोबारा स्केलिंग (री-स्केलिंग) और एंथ्रोपोलॉजी की उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कर संशोधित मेरिट सूची जारी करने का आदेश दिया।

सीएम योगी का भारत-जापान युवाओं से आह्वान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत और जापान के युवाओं के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

लखनऊ में जापान और भारत के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भविष्य के संबंधों को मजबूत बनाने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका होगी। प्रतिनिधिमंडल में यामानाशी के गवर्नर कोतारो नागासाकी, जापान के 13 हाईस्कूल छात्र और लखनऊ के विभिन्न स्कूलों के 20 छात्र शामिल थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत-जापान के बीच दीर्घकालिक संबंधों की नींव शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और साझा अनुभवों के जरिए मजबूत की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे मजबूत रिश्ते कक्षाओं, विश्वविद्यालय परिसरों, प्रयोगशालाओं और युवा मनों के बीच बनते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर सिटी

रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

आंतरिक लेखा-परीक्षण पर ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक सत्र का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। तारवानी एंड एसोसिएट्स द्वारा आर्टिकल स्टडी मीट (ृस्रू) के अंतर्गत ÷आंतरिक लेखा-परीक्षण÷ विषय पर एक अत्यंत रोचक, संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता सीए ऋतिक सबनानी रहे।सत्र की शुरुआत आंतरिक लेखा-परीक्षण की मूल अवधारणा एवं वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में इसकी बढ़ती आवश्यकता से हुई। सीए ऋतिक सबनानी ने अपने व्यावसायिक अनुभवों एवं वास्तविक कार्यक्षेत्र से जुड़े अनेक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि आंतरिक लेखा-परीक्षण किसी संस्था में केवल त्रुटियों को खोजने का माध्यम नहीं, बल्कि जोखिमों की पहचान, आंतरिक नियंत्रणों को सुदृढ़ करने, धोखाधड़ी की रोकथाम, प्रक्रियाओं में सुधार तथा संस्था की कार्यकुशलता बढ़ाने का महत्वपूर्ण साधन है। सत्र में आंतरिक लेखा-परीक्षण की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया गया, जिसमें व्यवसाय एवं प्रक्रियाओं को समझना, जोखिमों की पहचान एवं आकलन, लेखा-परीक्षण की योजना बनाना, आंतरिक नियंत्रणों का परीक्षण, आवश्यक प्रमाणों एवं अभिलेखों की जाँच, निष्कर्षों का विश्लेषण तथा सुधारात्मक सुझावों सहित प्रतिवेदन तैयार करना शामिल हैं। इस दौरान यह भी बताया गया कि एक प्रभावी आंतरिक लेखा-परीक्षक को केवल ÷क्या गलत है÷ यह नहीं देखना चाहिए, बल्कि ÷गलती क्यों हुई और उसे भविष्य में कैसे रोका जा सकता है÷ इस पर भी ध्यान देना चाहिए। अपने अनुभवों और व्यावहारिक उदाहरणों के कारण पूरा सत्र अत्यंत सरल, रोचक एवं सीखने योग्य रहा। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और चर्चा में सक्रिय भागीदारी की, जिससे सत्र और अधिक संवादात्मक बना।

छत्तीसगढ़ी कला एवं संस्कृति को समर्पित डॉ. आनंदसिंह चौहान को 'वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन' द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और मनोरंजन जगत में अद्वितीय एवं ऐतिहासिक योगदान देने वाले प्रख्यात कलाकार व तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. आनंदसिंह चौहान को उनकी बहुमूल्य सेवाओं के सम्मान में 'वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन' द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया है। यह प्रतिष्ठित उपाधि 20 अगस्त 2026 को प्रदान की गई है।छत्तीसगढ़ संस्कृति, मीडिया और तकनीकी क्रांति में ऐतिहासिक योगदानडॉ. आनंदसिंह चौहान का छत्तीसगढ़ी कला और संस्कृति के संवर्धन में एक लंबा, प्रेरणादायक और गौरवशाली सफर रहा है: * प्रमुख कंपनियों के साथ सहभागिता: डॉ. चौहान ने वर्ष 2004 से 2010 तक 'सुमन ऑडियो वीडियो' सहित 'वीडियो वर्ल्ड', 'स्त्र कैसेट' और 'च़च़. कैसेट' जैसी छत्तीसगढ़ की तमाम प्रतिष्ठित ऑडियो-वीडियो कंपनियों के साथ मुख्य सहयोगी के रूप में कार्य किया है। *टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में अग्रणी भूमिका: छत्तीसगढ़ के पहले 24 घंटे चलने वाले मनोरंजन चैनल 'ग्रैंड यारा' की स्थापना में आपने 'टेक्निकल डायरेक्टर' के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक

क्षेत्रीय कार्यालयः महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300,(PIN 492013)
E-mail: npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

नीलामी सूचना (जहाँ है जैसा है जो भी स्थिति में)

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक द्वारा जब्त किये गये निम्नलिखित वाहनों की नीलामी "जहाँ है जैसा है जो भी स्थिति में " के आधार पर दर्शायी गई तिथि एवं स्थान पर किया जाना प्रस्तावित है।

क्र	शाखा	ऋणी का नाम	वाहन का प्रकार क्र.	गाड़ी नं.	न्यूनतम आरक्षित मूल्य	अवलोकन हेतु स्थान (यार्ड)
1	धरसिवा मो.नं. 6232032035	जनार्दन पात्रे	ASHOK LEYLAND BADA DOST 12 TNDD 2024	CG 04 PX 6770	570000/-	शैलेंद्र शर्मा यार्ड लक्ष्मी नगर मोहलई दुर्ग

(1) नीलामी हेतु निविदा बंद लिफाफे मे प्रस्तुत करना होगा। (2) शाखा का नाम, वाहन क्र, वाहन प्रकार स्पष्ट रूप से लिखकर बोली राशि अंको एवं शब्दों मे लिखकर स्वंय के पहचान पत्र की फोटो कापी सहित बंद लिफाफे मे प्रस्तुत करे। (3) अमानती राशि रू 57000/ (रू सनतावन हजार मात्र), छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के पक्ष मे ड्राफ्ट/नगद निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। (4) सफल निविदा कर्ता को 25% राशि तत्काल जमा करना होगा। (5) शेष 75% राशि नीलामी तिथि से 10 दिनों के भीतर जमा करना होगा अन्यथा जमा की गई राशि जप्त कर ली जाएगी। (6) बंद लिफाफे में निविदा दिनांक 31/08/2026 तक क्षेत्रीय कार्यालय सुन्दर नगर रायपुर में जमा की जा सकती है। नीलामी से सम्बन्धित सर्वाधिकार बैंक के पास सुरक्षित रहेगा।

नीलामी स्थल-छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, महादेव घाट रोड, सुन्दर नगर रायपुर
नीलामी दिनांक-01/09/2026 समय- 12 बजे
दिनांक-21/08/2026

क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
प्रथम तल उद्योग भवन, रिंग रोड क्र. 1 तेलीबांधा
रायपुर, 492006 (छत्तीसगढ़)
दूरभाष: कार्यालय- 0771-6002071, 72, 73
फैक्स: 0771-2583794 साईट ऑफिस
उरला:-2323836, सिलतरा:-07721-264220
Website: www.csidc.in,
Email address:csidc.cg@nic.in,
csidc_raipur@yahoo.com

क्रमांक : सीएसआईडीसी/भू.आ./2026/4241
रायपुर, दिनांक 18/08/2026

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर (छ.ग.) द्वारा औद्योगिक क्षेत्र उरला, जिला रायपुर (छ.ग.) में भूखण्ड क्रमांक 421-एच, रकबा 15,000 वर्गफीट (0.1394 हेक्टेयर) 1394.05 वर्गमीटर (0.35 एकड़) भूमि का आबंटन उत्पाद BATHING TUBS, WASH-BASINS, LAVATORY PANS AND COVERS, FLUSHING CISTERNS AND SIMILAR SANITARY-WARE OF PLASTICS, SANITARY FITTINGS OF PLASTIC P.V.C. OTHERS & PLASTIC / POLYTHENE GRANULES उद्योग हेतु 84 वर्ष की लीज पर पट्टाविलेख के माध्यम से 'मेसर्स पद्मा दीप इण्डस्ट्रीज' प्रोपराईटर श्री आशीष अग्रवाल पिता श्री कैलाश अग्रवाल निवासी रामसागर पारा, रायपुर को हस्तांतरित किया जाकर, हस्तांतरण डीड दिनांक 08/07/2019 को निष्पादित किया गया।

श्री आशीष अग्रवाल के स्वास्थगत/पारिवारिक कारणों के कारण उनके रक्त संबंधी यथा सहमतिदाता क्रमांक (1) श्रीमती दीपा अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल, (2) श्रीमती रेखा अग्रवाल पति श्री नीरज अग्रवाल, (3) श्रीमती राखी जैन पति श्री दिनेश जैन, (4) श्रीमती वर्षा अग्रवाल पति श्री संकेत अग्रवाल द्वारा औद्योगिक क्षेत्र उरला, जिला रायपुर के भूखण्ड क्रमांक 421-एच, रकबा 15,000 वर्गफीट (0.1394 हेक्टेयर) 1394.05 वर्गमीटर (0.35 एकड़) को (श्री आशीष अग्रवाल की माता) श्रीमती पद्मा देवी अग्रवाल पति श्री कैलाश अग्रवाल के नाम पट्टाभिलेख में दर्ज कराने एवं भूमि अंतरण/हस्तांतरण किये जाने हेतु उत्तराधिकारी के रूप में लिखित सहमति एवं नोटराइज्ड शपथ पत्र दिनांक 02/09/2025 एवं 27/07/2026 के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

प्रकरण में उक्त इकाई के स्वामित्व में रक्त संबंधी अंतरण/हस्तांतरण की कार्यवाही किया जाना है, जिसके परिप्रेक्ष्य में सीएसआईडीसी रायपुर द्वारा द्वारा संपत्ति का स्वामित्व (उत्तराधिकारी) 'छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि तथा भवन प्रबंधन नियम-2015' के प्रावधानों के अंतर्गत श्रीमती पद्मा देवी अग्रवाल पति श्री कैलाश अग्रवाल मेसर्स पद्म दीप इण्डस्ट्रीज' प्रोपराईटर के नाम पर हस्तांतरण हेतु आदेश पारित किया जाना है एवं उक्त संपत्ति को श्रीमती पद्मा देवी अग्रवाल पति श्री कैलाश अग्रवाल प्रोपराईटर मेसर्स पद्म दीप इण्डस्ट्रीज, औद्योगिक क्षेत्र उरला, जिला रायपुर के नाम लीज का निष्पादन किया जाना है।

यदि उक्त इकाई की संपत्ति के रक्त संबंधी अंतरण/हस्तांतरण संव्यवहार एवं नाम परिवर्तन के संबंध में संबंधित परिवार के किसी वैध उत्तराधिकारी/किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक आदि को कोई उजर दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर लिखित आपत्ति मय पुष्ट दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत की गई आपत्ति अवैधानिक एवं शून्य होगी ।

(ए.एच. बजदानी)
मुख्य महाप्रबंधक (भू-आबंटन)
सीएसआईडीसी, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34625/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34625
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226J00975** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAXMI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAUTARIHA RAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANAND DWIVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIVKUMAR DWIVEDI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34626/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34626
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226I01535** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALI RANJAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAMOD RANJAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **UMA BAI KURREY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTA KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34628/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34628
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226N0179D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEEPA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIKASH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MISHU AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAJRANG AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34660/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34660
वार्ड का नाम-8- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226Z0365A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADHU SHRIVASTAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **B. K. SHRIVASTAVA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GIRDHARI KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BISAHU RAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34703/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34703
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR814A00208** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PURUSHOTTAM SHARMA S/O JAI NARAYAN SHARMA, KUSUM SHARMA W/O PURUSHOTTAM SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHALINI SHARMA W/O AMIT SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. ARYA SHARMA S/O ABHISHEK SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34706/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34706
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813G00691** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANUGA SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAHORAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SOHAN LAL KUMAWAT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL KUMAWAT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34704/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34704
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813G00381** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHA LOHIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **K.C. LOHIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. **MANISH LOHIYA S/O KAILASH CHANDRA LOHIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. SAURABH LOHIYA S/O KAILASH CHANDRA LOHIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत परसुलीडीह,** ' रायपुर में स्थित **ई.डब्ल्यू.एस. भवन क्रमांक-131, श्री देवाशीष नाथ पिता स्व. दिलीप कुमार नाथ** के नाम से आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की सेलडीड / लीजडीड अनुबंध **दिनांक 04/04/2024** को पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर इस कार्यालय के आदेश **क्रमांक 3031 दिनांक 07/06/2024** के माध्यम से आधिपत्य प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में आबंटी **श्री देवाशीष नाथ पिता स्व. दिलीप कुमार नाथ निवासी-महापाडा, जोरांडा, महिमागडी, ढेकानाला ओडिसा** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री मुकेश सोनवानी पिता श्री समेलाल सोनवानी निवासी-292 मिलपारा, कोनारी जिला-बलौदाबाजार (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./33181/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 18-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33181
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J00429** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VISHAL SACHDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMAN DAS SACHDEV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT VINITA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI GIREESH DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34677/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34677
वार्ड का नाम-35-हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436J00176** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SANGATHAN MANTRI VIJAY SHARMA, GAURI SHNAKAR AGRAWAL KABIZ SHAILENDRA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री रामावतार शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34718/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34718
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737G00271** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VINOD KAKADD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री नवीन कक्कड़** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री विनोद कुमार कक्कड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34716/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34716
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D00024** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SITA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMCHAND PESHWAANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री वरूल गोधेजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री परमानंद गोधेजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34685/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34685
वार्ड का नाम- 27-इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737F00203** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MADHAV DAS BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVANDAS BAJAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती संगीता बाई** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री नंद लाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./34619/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34619
वार्ड का नाम- 58 शहीद पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR447A00407** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AMERDEEP** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHAVESH TANDON** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE BHARAT TANDON** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./34617/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34617
वार्ड का नाम- 58 शहीद पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR443A00237** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JANAK RAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BUDHARO SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE JANAK RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34552/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34552
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819B00083** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LALCHAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHILADI RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NOMESH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI HARISHCHANDRA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34610/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34610
वार्ड का नाम-25- संत रामदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819E00078** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BANITA GANDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRA KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDAR KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KABARA KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34564/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34564
वार्ड का नाम-37- शहीद चूड़ामणी नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR516A00044** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUMAN DHODE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TARUN DHODE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRIMATI TARA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI DEEPAK SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./34639/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34639
वार्ड का नाम-24- सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818E0571G** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **01. NISHA KHANDELWAL W/O VIJAY KHANDELWAL 02. SAHIL KHANDELWAL S/O VIJAY KHANDELWAL 03. KAVYA KHANDELWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY KHANDELWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **बी. बार. मश्राणी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दीपक मश्राणी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34526/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 20-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34526
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802J00538** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURENDRA KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHARAMVEER SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAHEED ANJUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **IRSHAD ANSARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

बाढ़ एवं आपदा से निपटने की तैयारियों को परखा, कोरी डेम में हुआ मॉक एक्सरसाइज

- कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने मौके पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा
- एसडीआरएफऔर होमगार्ड की टीम ने किया बाढ़ में फंसे व्यक्ति के रेस्क्यू का हूबहू प्रदर्शन

बिलासपुर। बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए आज कोटा के कोरी डेम में मॉक एक्सरसाइज आयोजित किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह की उपस्थिति में हुए इस अभ्यास में होमगार्ड तथा एसडीआरएफ की टीमों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बाढ़ में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया का हूबहू प्रदर्शन किया गया। मॉक एक्सरसाइज के दौरान आपदा की स्थिति निर्मित कर यह प्रदर्शित किया गया कि सूचना मिलने से लेकर घटनास्थल तक राहत एवं बचाव दल के पहुंचने, स्थिति का आकलन करने, बचाव उपकरणों के उपयोग और बाढ़ में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित निकालने तक की कार्रवाई किस प्रकार की जाती है। एसडीआरएफ एवं होमगार्ड के जवानों ने डेम के जलक्षेत्र में उतरकर रेस्क्यू ऑपरेशन का प्रदर्शन किया। अभ्यास के माध्यम से टीम के आपसी समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और उपलब्ध संसाधनों की उपयोगिता को भी परखा गया। मौके पर विभिन्न प्रकार के बचाव एवं आपदा प्रबंधन उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने प्रदर्शित उपकरणों का अवलोकन किया और उनके उपयोग की जानकारी ली।अधिकारियों ने रेस्क्यू टीम के जवानों से उपकरणों के संचालन और आपात स्थिति में उनके उपयोग की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन में समय पर प्रतिक्रिया और सही तरीके से किया गया बचाव कार्य जीवन बचाने में सबसे महत्वपूर्ण होता है। बाढ़ की स्थिति में प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, होमगार्ड और स्थानीय अमले के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि मॉक एक्सरसाइज का उद्देश्य केवल अभ्यास करना नहीं, बल्कि वास्तविक आपदा के समय आने वाली संभावित चुनौतियों को पहले से पहचानकर अपनी तैयारियों को और मजबूत करना है। उन्होंने संबंधित टीमों को अपने संसाधनों और उपकरणों को हमेशा तैयार स्थिति में रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कहा कि बाढ़ अथवा किसी भी आपदा की स्थिति में पुलिस और बचाव दल की त्वरित कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण होती है।

वास्तविक घटनाओं में कई बार परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होती हैं, इसलिए नियमित अभ्यास से जवानों को विपरीत परिस्थितियों में बेहतर ढंग से काम करने का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा कि मॉक एक्सरसाइज के माध्यम से टीमों के बीच समन्वय, संचार व्यवस्था और रेस्क्यू ऑपरेशन की व्यवहारिक क्षमता को परखा गया है। उन्होंने जवानों से आपदा के समय धैर्य, सतर्कता और पूरी सावधानी के साथ कार्य करने की बात कही। मॉक एक्सरसाइज के दौरान यह भी देखा गया कि जलभराव अथवा बाढ़ में फंसे लोगों तक राहत दल किस गति से पहुंच सकता है और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग किस तरह किया जा सकता है। अधिकारियों ने अभ्यास के दौरान सामने आए विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की तथा आपदा की स्थिति में किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

चोरी का मोबाईल खरीदने व मोबाईल का लॉक तोड़ने वाले 2 आरोपी को जयनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-ग्राम ठाकुरपुर अम्बिकापुर निवासी क्षितिज कुमार ने थाना जयनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 29जून को यह अपने दोस्त विशाल के स्कूटी से सूरजपुर दोस्त के बर्थडे पार्टी में दोनों आए थे जहां से शाम को अम्बिकापुर वापस जाने के दौरान अजबनगर में स्कूटी का पेट्रोल खत्म हो जाने से स्कूटी को पैदल काली घाट तक ले गए पीछे से एक मोटर सायकल में 2 लड़के आए और रूककर पूछे और पेट्रोल लेने साथ में चलने एवं वापस छोडने के लिए बोले तब यह उनके साथ मोटर सायकल में बैठकर वैष्णवी पेट्रोल पम्प आया जो बाईक में सवार दोनों में से 1 लड़का एक फोन करना है कहकर मोबाईल मांगा और मोबाईल लेकर अपने साथी के साथ मोटर सायकल से भाग निकले। प्रार्थी की रिपोर्ट पर 2 अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध धारा 303(2), 317(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने चोरी के सभी मामलों में बारीकी से विवेचना करने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए थे। इसी क्रम में थाना जयनगर पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही मोहम्मद सरफराज साह पिता शोयब साह उम्र 26 वर्ष निवासी मायापुर थाना कोतवाली अम्बिकापुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने चोरी किया हुआ 1 नग मोबाईल खरीद कर रखना स्वीकार किया। उसने बताया कि उक्त मोबाईल को 1 व्यक्ति से खरीदकर सज्जाद अंसारी निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर से मोबाईल का लॉक तोड़वा कर उसका उपयोग करते रहा। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर सज्जाद अंसारी पिता मोहम्मद उमर अंसारी निवासी 29 वर्ष निवासी मोमिनपुरा थाना कोतवाली अम्बिकापुर को पकड़ा गया आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का मोबाईल बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामले में फरार अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जयनगर अमित गुप्ता, प्रधान आरक्षक दीपक दुबे, सुशील तिवारी, आरक्षक सुरेश साहू व अम्बिका मरावी सक्रिय रहे।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल ने जिले के 60 विवेचकों को हाईटेक स्मार्ट मोबाइल फोन वितरण किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- अपराधों की विवेचना को अधिक प्रभावी, तकनीक सक्षम एवं साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश कुमार पटेल द्वारा जिले के 60 विवेचकों को हाईटेक स्मार्ट मोबाइल का वितरण किया है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने कहा कि जनता को समय पर न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक विवेचना गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं कानून सम्मत हो इसी उद्धेश्य की पूर्ति के लिए यह हाईटेक स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराया गया है। प्रत्येक विवेचक अपराध की विवेचना निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं समयबद्ध रूप से करते हुए नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। जिले के सभी विवेचक ई-साक्ष्य ऐप का शत प्रतिशत उपयोग करते हुए घटनास्थल का डिजिटल दस्तावेजीकरण, फोटो, वीडियो, लोकेशन एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संकलन करें, जिससे विवेचना अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के अनुसार हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हाईटेक स्मार्ट मोबाइल के माध्यम से विवेचक घटनास्थल का डिजिटल दस्तावेजीकरण, डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संकलन, वरिष्ठ अधिकारियों से त्वरित समन्वय तथा अनुसंधान संबंधी कार्यों का प्रभावी निष्पादन कर सकेंगे, जिससे अपराध अनुसंधान की गुणवत्ता एवं न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक मजबूती मिलेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर होनहार छात्र नवल साय को किया गया सम्मानित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय के विद्यार्थी नवल साय को सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर कलेक्टर रेना जमील, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल उपस्थित रहे।

नवल साय ने इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए चयनित होने का गौरव हासिल किया है। वे दो बार राज्य स्तर, एक बार संभाग स्तर तथा कई बार जिला स्तर पर विज्ञान के विभिन्न प्रादर्शों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। उनके द्वारा तैयार की गई मूंगफली फेड़ने वाली नवाचारी मशीन कृषि एवं ग्रामीण जीवन की व्यावहारिक आवश्यकताओं पर आधारित है, जिसे तैयार करने में उनकी मार्गदर्शक विज्ञान की व्याख्याता गोपाल सिंह का मार्गदर्शन हमेशा प्राप्त होती रहता है। नवल के इस मॉडल का चयन पश्चिम भारत विज्ञान मेला 2025-26, जशपुर के लिए भी हो चुका है। इससे पूर्व राज्योत्सव एवं गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय आयोजनों में भी यह मॉडल प्रदर्शित किया जा चुका है। जून 2026 में बिश्रामपुर आगमन के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी इस मॉडल को देखकर इसकी सराहना की थी।

प्राचार्य श्री पी.सी. सोनी ने कहा कि विद्यालय अपने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। कृषक पिता कैलाश सिंह ने भी नवल को हर स्तर पर प्रोत्साहन दिया। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, सहायक संचालक अजय सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू, वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सीमा दुबे, इंस्पायर अवार्ड प्रभारी श्री संतोष उपाध्याय सहित संपूर्ण विद्यालय परिवार ने नवल साय को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

संत रविदास जी का रायपुर में जगह-जगह स्टैचू लगाने की मांग रविदास समाज के लोगों ने की

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- संत सर्व रविदास जी समाज द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को ज्ञापन सौंप कर रायपुर की राजधानी में विभिन्न चौक चौराहा पर संत रविदास जी का स्टैचू लगाने की मांग की है।

उक्त जानकारी देते हुए सर्व रविदास समाज की लखन कुर्रे ने बताया कि सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह रायपुर में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ था इस दौरान आयोजित सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ ने रविदास समाज के चहुंमुखी विकास हेतु विभिन्न मांगों को रखा था जिसमें से संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती पर शासकीय अवकाश की घोषणा ,विधानसभा भवन में रविदास की रचनाओं का लेखन, रायपुर में भव्य रविदास चौक की स्थापना तथा तथा रविदास जी के नाम पर रविदास अलंकरण पुरस्कार घोषित करने की मांग किया गया था जो 8 अगस्त को मान लिया गया संत शिरोमणि रविदास के मिट्टी कलश के सम्मान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपरोक्त मांग को मानकर घोषणा की जिसके लिए सर्वे रविदास समाज मुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है।

स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण के लिए ऊर्जा दक्षता जरूरी : वेदांता पावर

रायपुर। भारत नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि ऊर्जा उत्पादन तंत्र का हर अंग संसाधनों के कम इस्तेमाल के बावजूद ज्यादा प्रभावी बने। वेदांता पावर लिमिटेड ने अक्षय ऊर्जा दिवस के मौके पर स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अपने महत्वपूर्ण योगदान पर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया है कि कंपनी देश के बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा आधार के साथ विद्युत उत्पादन प्रक्रियाओं में ऊर्जा एवं संसाधन दक्षता के प्रति कटिबद्ध है।

वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने का भारत का लक्ष्य देश के एनर्जी मिक्स में बुनियादी बदलाव की ओर इशारा है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए नवीकरणीय उत्पादन बढ़ाने के साथ ही ऐसे ऊर्जा तंत्र का विकास जरूरी है जो ईंधन, जल एवं अन्य संसाधनों की खपत में सुधार ला सके। मौजूदा अधोसंरचना की दक्षता में बढ़ोत्तरी तथा स्वच्छ एवं प्रभावी तरीकों को अपनाकर, विद्युत क्षेत्र अपने संसाधनों की गहनता को कम कर नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार में मदद कर सकता है।

वेदांता पावर अपने प्रचालन में वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल, संसाधनों के कुशल उपयोग, पानी के बेहतर प्रबंधन और संसाधनों के चक्रीय इस्तेमाल को अपनाकर इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा अपनाए जाने के लिए कंपनी सौर ऊर्जा के इस्तेमाल तथा अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन पर जोर दे रही है। इससे ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर कंपनी की निर्भरता घटी है और प्रचालन में कम कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पंजाब के तलवंडी साबो थर्मल प्लांट में तकरीबन 3.61 लाख मीट्रिक टन बायोमास का इस्तेमाल किया गया। यह ईंधन की कुल खपत का लगभग 5.21 फीसदी है। यह कृषि अवशेष के वैकल्पिक इस्तेमाल का बेहतरीन तरीका है। ऐसा करने से मौजूदा ऊर्जा अधोसंरचना को एक अतिरिक्त गैर-पारंपरिक ईंधन स्रोत मिला है।

जल दक्षता की दिशा में कंपनी अपने प्रचालन में संसाधनों की खपत कम करने के लिए काम कर रही है। आंध्रप्रदेश में वेदांता पावर की मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड में उत्पादन प्रक्रियाओं में समुद्र के पानी का इस्तेमाल किया जाता है जिससे इस ऊर्जा इकाई ने ताजे पानी की शून्य खपत का लक्ष्य हासिल किया है। हरियाली संरक्षण एवं संवर्धन और जैव विविधता के लिए अपने विभिन्न प्रचालन क्षेत्रों में कंपनी ने 8.75 लाख वृक्षारोपण किए हैं।

अक्षय ऊर्जा दिवस पर वेदांता पावर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा, स्वच्छ ऊर्जा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अक्षय ऊर्जा दिवस महत्वपूर्ण पर्व है। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ पूरे ऊर्जा तंत्र को अधिक कुशल एवं संसाधनों के प्रति सजग बनाने के प्रति जागरूकता के लिए यह हमारे लिए उत्कृष्ट अवसर है। वेदांता पावर में हम भरोसेमंद बिजली की आपूर्ति जारी रखते हुए वैकल्पिक ईंधन, पानी की बचत और चक्रीय इस्तेमाल के जरिए अपने प्रचालन में संसाधनों की खपत कम करने के लिए काम कर रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा के विकास और देश के दीर्घकालिक ऊर्जा रूपांतरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ऊर्जा उत्पादन तंत्र में दक्षता लाना बेहद जरूरी है।''

वेदांता समूह अपने डीकार्बनाइजेशन प्रयासों के तहत इन प्रयासों को अमलीजामा पहना रहा है। समूह ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्सर्जन में कमी लाने, संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने और सतत प्रचालन मॉडल के लिए 1 बिलियन डॉलर से अधिक निवेश किया है।

अक्षय ऊर्जा दिवस पर वेदांता पावर का दृष्टिकोण देश के ऊर्जा रूपांतरण के लिए इस व्यापक सिद्धांत को मजबूत करता है कि स्वच्छ ऊर्जा का अर्थ सिर्फ ज्यादा नवीकरणीय विद्युत उत्पादन करना नहीं है बल्कि पूरे तंत्र में ऊर्जा और संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित करना है।

केडीएम ने 'भारत का चार्जर' मुहिम के तहत देश भर में एक बड़े संकल्प की घोषणा की

भारत में लाइफ़स्टाइल और मोबाइल एक्सेसरीज़ के प्रमुख ब्रांड, केडीएम ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपनी 'भारत का चार्जर' मुहिम के तहत देश भर में एक बड़े संकल्प की घोषणा की है। देश के वीर जवानों के सम्मान और उनके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में मदद के नेक इरादे के साथ इस पहल की शुरुआत की गई है। केडीएम के संस्थापक, श्री एन. डी. माली ने कहा, हमारे सैनिक उस आज़ादी की हिफ़ज़त करते हैं जो हर भारतीय को सपने देखने, कुछ नया बनाने और आगे बढ़ने का मौका देती है। देश भर में एक लाख से ज़्यादा डीलरों के साथ, केडीएम इंडिया के पास अपने बिज़नेस नेटवर्क को देश के लिए योगदान देने वाले नेटवर्क में बदलने की ताक़त रखता है।'भारत का चार्जर' मुहिम के तहत, बिकने वाला हर चार्जर भारत की हिफ़ज़त करने वाले सैनिकों का शुक्रिया अदा करने और उनके बच्चों के बेहतर भविष्य में योगदान देने का एक छोटा-सा जरिया बन जाता है। पूरे देश में 1 लाख से ज़्यादा डीलरों के साथ मिलकर, केडीएम इंडिया अपने बिज़नेस नेटवर्क को समाज में बदलाव लाने का ज़रिया बना रहा है। इस पहल के तहत, हर चार्जर की बिक्री से होने वाली कमाई का एक हिस्सा सशस्त्र बलों के बच्चों की पढ़ाई में मदद के लिए जाएगा, जिससे एक सामान्य खरीदारी भी देश के हित में एक नेक इरादे से जुड़ जाएगी। 'भारत का चार्जर' पहल उन वीर जवानों को सलाम करती है जो सरहद पर तैनात रहकर हमारी उस आज़ादी की हिफ़ाजत करते हैं। जिसकी बदौलत हर भारतीय सपने देख पाता है, कुछ बना पाता है और तरक्की कर पाता है। इस पहल के ज़रिए, केडीएम इंडिया देश के वीर जवानों के बच्चों की पढ़ाई में मदद करके सही मायने में उनका शुक्रिया अदा करताहै। 'भारत का चार्जर' मुहिम के ज़रिए, केडीएम इंडिया एक सामान्य खरीदारी को सैनिक परिवारों के बच्चों की पढ़ाई में एक बड़े योगदान में बदलना चाहता है। इस तरह डीलरों और ग्राहकों को एक साथ जोड़कर देशभक्ति को हर दिन की पसंद और आदतों में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। केडीएम इंडिया के लिए, 'भारत का चार्जर' सिर्फ़ एक मुहिम से कहीं बढ़कर है, जो भारतीय बिज़नेस, 'मेड इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाने और समाज के लिए कुछ करने के कंपनी के पक्के इरादे को दिखाता है। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, केडीएम इंडिया अपने सभी डीलरों, साझेदारों और ग्राहकों को इस मुहिम से जुड़ने और देश की आज़ादी व भविष्य की हिफ़ज़त करने वाले वीर जवानों का सम्मान करने के लिए आमंत्रित करता है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

नौकरी की मजबूरी

भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश बने हुए हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। लाल सागर में यमन के पास भारतीय झंडे वाला एक व्यावसायिक जहाज डूब गया। राहत की बात है कि जहाज पर सवार 14 नाविकों को बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय हैं। भारतीय जहाज एसएसवी फैज नूर ओलिया पर यमन के हुदैदा/ मोखा बंदरगाह के पास मिसाइल अथवा ड्रोन से हमला हुआ। हमला किसने किया, तुरंत यह मालूम नहीं हो सका, लेकिन यमन के पास इस जलमार्ग में जहाजों को अक्सर अंसारुल्लाह (हुती) विद्रोही निशाना बनाते रहे हैं। अंसारुल्लाह ने लाल सागर में मौजूद बाब-ए-मंदाब जल मार्ग को आम नौवहन के लिए बंद कर रखा है। इसके पहले खाड़ी में पांच महीनों से जारी युद्ध के दौरान होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर हुए हमलों में कम-से-कम 14 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं। इस बीच पिछले महीने काला सागर से गुजरने का प्रयास भी भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। बीते 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो हमलों में पांच भारतीय नाविक मारे गए। ये हमले यूक्रेन ने किए। ऐसे मामलों में भारत सरकार की प्रतिक्रिया कड़ी निंदा करने तक सीमित रही है। पिछले महीने यह खबर जरूर मीडिया में आई थी कि भारत सरकार ने शिपिंग कंपनियों को खतरनाक इलाकों में जाने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की ड्यूटी ना लगाने का निर्देश दिया है। ऐसे कथित निर्देश के औचित्य पर तभी कई सवाल उठे थे। बहरहाल, अब यह साफ हो चुका है कि अगर सचमुच वैसा कोई दिशा-निर्देश दिया गया था, तो वह बेअसर साबित हुआ है। तमाम नाविकों की तरह भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के युद्ध में अब सबसे बड़ा मसला होरमुज का ही रह गया है, जिस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए ईरान अडिग है। उधर हूतियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई छिड़ने से लाल सागर में भी खतरा बढ़ा है। इन सबके बीच भारतीय नाविकों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल रोज अधिक बड़ा होता चला गया है।

आलेख

प्राकृतिक खेती - सतत कृषि और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

भारत ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में तेज प्रगति की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार, पिछले 5 सालों में विकास दर 4त्न से अधिक रही है। खाद्यान्न, बागवानी और तेलहन फसलों का बंपर उत्पादन हुआ है। यह किसानों द्वारा नई तकनीकों को अपनाने और सिंचाई वाले क्षेत्र का विस्तार, बेहतर जल उपयोग दक्षता और समय पर व पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्धता जैसी सरकार की ठोस नीतियों के समर्थन का परिणाम है। बागवानी फसलों की हिस्सेदारी भी काफ़ी बढ़ रही है और इसकी विकास दर अपेक्षाकृत अधिक है। हालांकि, रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं, जिसके कारण मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और प्रमुख फसलों की उत्पादकता में स्थिरता आ रही है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, नाइट्रोजन उपयोग दक्षता (एनयूई) में धीरे-धीरे आई कमी के कारण एक ऐसा दुष्चक्र बन गया है, जिसमें किसान रासायनिक खादों की मात्रा तो लगातार बढ़ा रहे हैं, लेकिन उत्पादकता में बहुत मामूली बढ़ोतरी ही हो रही है। सरकार की मृदा स्वाथ्य और उर्वरक योजना के तहत 26 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किया गया है। इससे प्राप्त डेटा के अखिल-इंडिया विश्लेषण से चिंताजनक बात सामने आई है कि मिट्टी में जैविक कार्बन (एसओसी) और अन्य जरूरी सूक्ष्म-पोषक तत्वों की भारी कमी है। स्वस्थ मिट्टी में एसओसी 1त्न से अधिक होना चाहिए, लेकिन यह औसतन 0.5त्न के आसपास है और कुछ क्षेत्रों में यह 0.3त्न तक के यह खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। कम मात्रा में एसओसी से मिट्टी की सरंध्रता कम हो जाती है, जिसका दोहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है: पानी का जमीन में रिसाव और जल धारण क्षमता, दोनों में कमी आती है। परिणामस्वरूप, वर्षा और सिंचाई का पानी बह जाता है, जो ऊपरी मिट्टी को बहा ले जाता है और न तो यह जमीन के नीचे जाकर भूजल स्तर बढ़ा पाता है और न ही पौधों की वृद्धि के लिए आसानी से उपलब्ध रहता है। कम एसओसी का एक और नकारात्मक प्रभाव यह है कि ऐसे मिट्टी पर उगाए जाने वाले पौधों की पोषक तत्व अवशोषण क्षमता कम हो जाती है। समान उत्पादकता स्तर तक पहुँचने के लिए अधिक से अधिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है। रासायनिक उर्वरकों की बढ़ी हुई खुराक उर्वरक उपयोग दक्षता को और कम कर देती है, जिससे मृदा-स्वास्थ्य का नुकसान होता है और देश रासायनिक उर्वरकों या उनके घरेलू उत्पादन के कच्चे माल को आयात करने में अपनी कीमती विदेशी मुद्रा खर्च करता है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के असंतुलित उपयोग ने उन लाभकारी सूक्ष्मजीवों और कीड़ों को भी कम कर दिया है, जो मिट्टी की सरंध्रता को बेहतर बनाने और गहरी मिट्टी से पोषक तत्वों को ऊपरी मिट्टी तक स्थानांतरित करने में मदद करते हैं, ताकि पौधे उन्हें अवशोषित कर सकें। एक अन्य चिंताजनक प्रभाव उपज की गुणवत्ता और सुरक्षा पर पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि रसायन खाने-पीने और पशु चारे की श्रृंखला में पहुँच जायेंगे और आखिरकार मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करेंगे। ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें फलों, सब्जियों, अनाज और अन्य वाणिज्यिक फसलों में कीटनाशकों का न्यूनतम अवशेष स्तर तय सीमा को पार कर गया है, जिसके चलते निर्यात की खेपें रद्द होती हैं और वैश्विक बाजार में ब्रांड इंडिया की छवि पर बुरा पड़ता है। हालांकि ये चिंताएँ कुछ समय से व्यक्त की जा रही हैं, लेकिन सरकार ने वर्ष 2024 में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की, जिसका मुख्य उद्देश्य सतत कृषि के लिए पशुधन या गाय आधारित रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देना है, ताकि मिट्टी की सेहत खासकर एसओसी में सुधार हो सके, पौष्टिक तत्वों के अवशोषण की क्षमता बढ़ सके और रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों पर देश की निर्भरता कम हो सके। प्राकृतिक खेती, जिसे इसके समर्थकों द्वारा आमतौर पर जीरो बजट खेती कहा जाता है, एक ऐसी तकनीक पर आधारित है, जिसे किसानों ने कई सालों तक आज़माया और परखा है तथा इसे मान्यता दी है। इसके परिणाम भी बहुत उत्साहजनक रहे हैं। यह एक समग्र तकनीकी समाधान पर आधारित है, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग किया जाता है, जैसे स्थानीय नस्ल की गाय का गोबर और गोमूत्र, जिनकी लागत किसान के लिए लगभग शून्य होती है।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा)

■ किसानों के सशक्तिकरण के लिए एमएसपी-आधारित मूल्य समर्थन को मजबूत करना

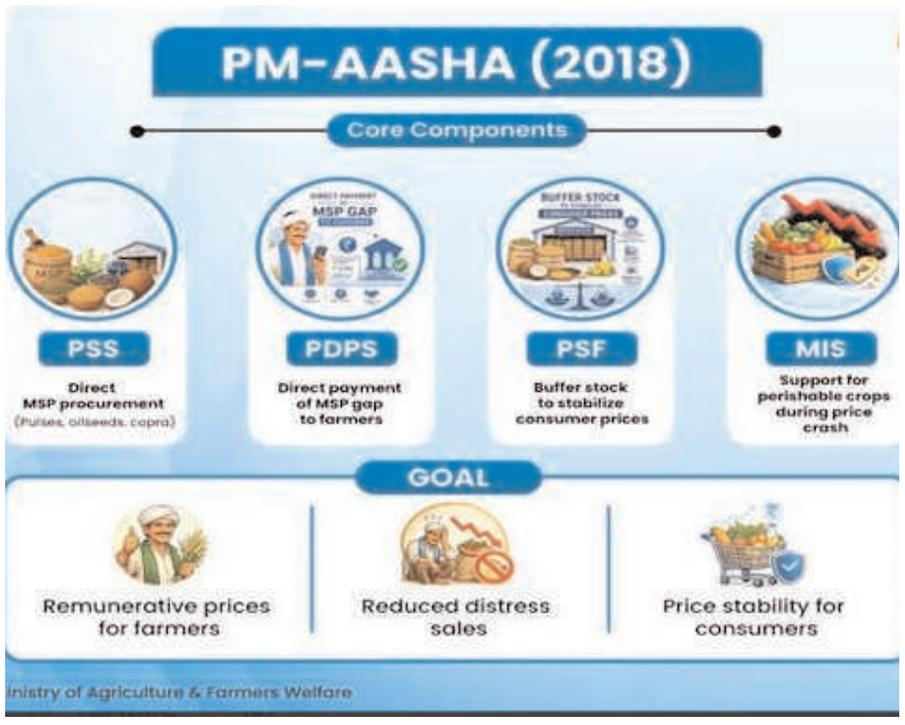

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) किसानों को उनकी उपज का सही दाम दिलाने के लिए सरकार की एक प्रमुख मूल्य-समर्थन योजना है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बेहतर ढंग से लागू करने और किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाने के लिए विभिन्न योजनाएं शामिल हैं। दालों, तिलहन और खोपरा की खरीद केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा 'नेफेड' और एनसीसीएफ जैसी संस्थाओं के माध्यम से की जाती है। वर्ष 2026ङ्क27 के लिए 7,200 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के साथ, 'पीएम-आशा' प्रभावी मूल्य-समर्थन उपायों को और सुदृढ़ बनाती है। 'आधार'-आधारित प्रमाणीकरण, 'ई-नाम', 'ई-समृद्धि' और 'ई-संयुक्ति' सहित डिजिटल सुधारों ने पारदर्शिता और खरीद क्षमता में सुधार किया है। कृषि अवसंरचना कोष से मिली मदद और खरीद के दायरे को बढ़ाने से यह योजना और भी मज़बूत हुई है।

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना

सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ छोटे और हाशिये पर रह रहे किसानों सहित सभी किसानों तक पहुँचे। 'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान' (पीएम-आशा) एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकार ने सितंबर 2018 में इस योजना की शुरुआत की थी। इसे इस तरह से तैयार किया गया था कि उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में स्थिरता भी बनी रहे और साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी मिल सके।'पीएम-आशा' एक एकीकृत फ्रेमवर्क के तहत कई मूल्य समर्थन प्रणालियों को एक साथ लाती है। प्रत्येक प्रणाली को फसल और बाजार की स्थितियों के अनुसार लागू किया जाता है। यह योजना एमएसपी को लागू करने में मदद करती है और किसानों को मजबूरी में फसल बेचने से बचाती है। साथ ही, यह उपभोक्ताओं के लिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करते हुए किसानों की आय को भी स्थिर बनाये रखती है। 'पीएम-आशा' के तहत, खरीद की व्यवस्था प्रत्येक विपणन सत्र (मार्केटिंग सीज़न) से पहले ही शुरू हो जाती है। केंद्रीय नोडल एजेंसियां और राज्य सरकारें फसलों के बाजार में पहुंचने से पहले ही खरीद के लिए ज़रूरी अवसंरचना तैयार कर लेती हैं। इस समन्वित दृष्टिकोण से खरीद का काम समय पर होता है और यह पूरे देश में एमएसपी के प्रभावी कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाता है।

नीतिगत संरचना और संस्थागत फ्रेमवर्क

'पीएम-आशा' में मुख्य रूप से चार प्रमुख घटक शामिल हैं: मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ), मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) और बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस)।

1. मूल्य समर्थन योजना (पीपीएस)

यह योजना कटाई के समय जब बाजार की कीमतें एमएसपी से नीचे गिर जाती हैं, तब एमएसपी पर फसलों की खरीद सुनिश्चित करती है। इसमें मुख्य रूप से दालें, तिलहन और खोपरा शामिल हैं। राज्य सरकारों के अनुरोध पर भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) जैसी एजेंसियों के माध्यम से खरीद की जाती है। इसके लिए सिर्फ़वे किसान पात्र हैं जिनके पास ज़मीन के वैध कागज़ात हैं; इससे बिना किसी बिचौलिए के किसानों को सीधा लाभ सुनिश्चित होता है। उन्हें मजबूरी में फसल नहीं बेचनी पड़ती और कीमतों में भारी गिरावट के दौरान किसानों की आमदनी स्थिर बनी रहती है। खरीद वर्ष 2024 25 से, मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत, दालों, तिलहन और खोपरा (कोपरा) की खरीद की अनुमति शुरुआत में किसी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के कुल उत्पादन के 25त्न तक दी गई है। इस सीमा से अधिक की अतिरिक्त खरीद को सचिवों की समिति द्वारा राष्ट्रीय उत्पादन के 25त्न तक मंजूरी दी जा सकती है। हालाँकि, घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति राज्य के उत्पादन के 100त्न तक दी गई है।

2. मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ)

मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) दालों, प्याज और आलू जैसी आवश्यक वस्तुओं का बफ़र स्टॉक बनाकर उपभोक्ताओं को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाता है। इसकी स्थापना प्रमुख कृषि-बागवानी उत्पादों की कीमतों में स्थिरता लाने के लिए की गई थी। कीमतों में अचानक वृद्धि को नियंत्रित करने और उन्हें आम जनता की पहुंच में (किफायती) रखने के लिए कटाई के मौसम में वस्तुओं की खरीद की जाती है और गैर-फसल (कम आवक वाले) मौसम में उन्हें बाजार में जारी किया जाता है। पीएसएफ को अब 'पीएम-आशा' में विलय कर दिया गया है, लेकिन इसका प्रबंधन अभी भी उपभोक्ता मामलों का विभाग ही करता है।

3. मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस)

मूल्य अंतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) के तहत, किसानों की उपज को भौतिक रूप से खरीदा नहीं जाता है। इसके बजाय, अधिसूचित बाजारों में एमएसपी और वास्तविक बाजार मूल्य के बीच के अंतर का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाता है। यह भुगतान एमएसपी मूल्य के अधिकतम 15त्न तक हो सकता है। यह योजना मुख्य रूप से तिलहन के लिए उपयोग की जाती है और बड़े पैमाने पर खरीद संबंधी अवसंरचना की आवश्यकता को कम करती है। यह योजना किसानों को एमएसपी का संरक्षण प्रदान करते हुए बाजार-आधारित बिक्री को बढ़ावा देती है।

4. बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस)

बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को जल्दी खराब होने वाले कृषि और बागवानी उत्पादों की एक श्रृंखला की खरीद के लिए बनाया गया है। इसमें टमाटर, प्याज और आलू जैसे उत्पाद शामिल हैं, जिनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू नहीं होता है। यह योजना तब लागू होती है जब बाजार की कीमतें पिछले सामान्य सत्र की दरों की तुलना में कम से कम 10त्न तक गिर जाती हैं। यह नेफेड और एनसीसीएफ जैसी केंद्रीय नोडल एजेंसियों द्वारा की जाने वाली प्रक्रियाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच लागत-साझाकरण के माध्यम से काम करती है। यह योजना विशेष रूप से बंपर पैदावार (अत्यधिक आवक) की स्थिति में उपयोगी होती है, जब आपूर्ति मांग से अधिक हो जाती है।

'पीएम-आशा' के तहत बढ़ी हुई वित्तीय सहायता

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम-आशा) के तहत, पिछले कुछ वर्षों में बजट आवंटन लगातार बढ़ा है। वर्ष 2024ङ्क25 में, इस योजना के तहत वास्तविक व्यय 5,437.99 करोड़ रुपये था। बजट 2025ङ्क26 में बढ़कर 6,941.36 करोड़ रुपये हो गया और वर्ष 2026ङ्क27 में इसे और बढ़ाकर 7,200.00 करोड़ रुपये कर दिया गया। यह दर्शाता है कि सरकार का ध्यान किसानों के लिए आय सहायता सुनिश्चित करने और मूल्य आश्वासन तंत्र को सुदृढ़ करने पर है।

लागत से विश्वास तक: किसानों को लाभकारी मूल्य मिलने पर जोर

'पीएम-आशा' के तहत शामिल योजनाओं की मदद से, उत्पादन लागत से ज़्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) किसानों की आय की सुरक्षा को मज़बूत करते हैं और साथ ही मुख्य फसलों की लगातार खेती को बढ़ावा देते हैं। वर्ष 2026-27 में, धान (सामान्य) की लागत 1,627 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि इसका एमएसपी 2,441 रुपये प्रति क्विंटल था, जिससे 814 रुपये का लाभ (मार्जिन) मिला। सोयाबीन (पीला) की लागत 3,805 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि इसका एमएसपी 5,708 रुपये प्रति क्विंटल था, जिससे 1,903 रुपये का लाभ मिला। वर्ष 2026-27 में, गेहूं की उत्पादन लागत 1,239 रुपये प्रति क्विंटल और एमएसपी 2,585 रुपये प्रति क्विंटल है, जो 1,346 रुपये का लाभ (मार्जिन) सुनिश्चित करता है। वहीं, जूट की उत्पादन लागत 3,662 रुपये प्रति क्विंटल और एमएसपी 5,925 रुपये प्रति क्विंटल है, जो 2,293 रुपये का सबसे अधिक लाभ प्रदान करता है। एमएसपी का यह लाभकारी मार्जिन मूल्य आश्वासन को मजबूत करके और कृषि बाजारों में किसानों का भरोसा बढ़ाकर 'पीएम-आशा' के लक्ष्यों को और मज़बूत करता है। कुल मिलाकर, एमएसपी लगातार अलग-अलग फसलों और सालों में उत्पादन लागत से ज़्यादा रहा है और 'पीएम-आशा' किसानों को बेहतर कीमत दिलाकर इस प्रणाली को और मजबूत करता है। यह एक ऐसे सहायक ढांचे को रेखांकित करता है जो कृषि क्षेत्र में स्थिर आय और विकास को बढ़ावा देता है।

खेत-से-बाजार तक कनेक्टिविटी को मजबूती

सरकार ने कृषि विपणन और फसल कटाई के बाद की अवसंरचना को मजबूत करने के लिए एआईएफ और 'ई-नाम' जैसी कई पहल शुरू की हैं। कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) ने 2,14,437 परियोजनाओं के लिए 96,426 करोड़ रुपये मूल्य के ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे 1,66,179 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश जुटाया गया है। 'ई-नाम' प्लेटफॉर्म ने 23 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों की 1,656 मंडियों को एकीकृत किया है, जिससे 4,94,847 करोड़ रुपये का व्यापार संभव हुआ है। इसके तहत 'ई-नाम' पर 4,776 किसान उत्पादक संगठनों (एफ्पीओ) को पंजीकृत किया गया है और 'डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क' (ओएनडीसी) से 7,334 एफ्पीओ को जोड़ा गया है। सरकार ने 25,081 कृषि विपणन अवसंरचना परियोजनाओं के साथ-साथ 992.6 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता वाले 50,249 गोदामों को भी स्वीकृति दी है। हाल ही में 'पीएम-आशा' में किए गए सुधारों के अंतर्गत किसानों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, पूर्व-पंजीकृत किसानों से सीधी खरीद, टमाटर, प्याज और आलू की फसलों के लिए परिवहन सहायता और बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत मूल्य अंतर भुगतान जैसी व्यवस्था की शुरुआत की गई है।

बिहार और छत्तीसगढ़: पीएम-आशा के क्रियान्वयन में प्रगति

बिहार में, भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से पहली बार मसूर की संगठित खरीद शुरू की गई है। यह 'पीएम-आशा' के तहत दलहन की खरीद को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खरीद की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, 48 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) और किसान उत्पादक संगठनों (एफ्पीओ) को जोड़ा गया है। 10 अगस्त, 2026 तक एनसीसीएफ द्वारा 1,042.65 मीट्रिक टन मसूर की खरीद की गई है, जिसके लिए 358 किसानों का पंजीकरण किया गया और 285 किसानों को इसका सीधा लाभ मिला। इसी अवधि के दौरान, नेफेड ने भी 1,814.13 मीट्रिक टन मसूर की खरीद की है, जिसमें 495 किसानों का पंजीकरण किया गया और 455 किसानों को लाभ पहुँचाया गया। छत्तीसगढ़ में, चल रही 200 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) और 12 किसान उत्पादक संगठनों (एफ्पीओ) के नेटवर्क के माध्यम से 'पीएम-आशा' के तहत खरीद कार्यों को सुदृढ़ किया गया है। 10 अगस्त, 2026 तक एनसीसीएफने 18,392.228 मीट्रिक टन चना, 22.231 मीट्रिक टन मसूर और 1,035.0205 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की है। इसके तहत 21,721 किसानों का पंजीकरण किया गया और 13,790 किसानों को लाभ पहुँचाया गया। इसी अवधि के दौरान, नेफेड ने 17,020.65 मीट्रिक टन चना और 355.05 मीट्रिक टन मसूर की खरीद की है। इसमें 46,146 किसानों का पंजीकरण किया गया और 13,673 किसानों को इसका लाभ मिला। इन पहलों ने एमएसपी खरीद को मजबूत किया है, बाजार तक पहुंच में सुधार किया है और क्षेत्र-विशेष में दलहन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद की है।

किसानों की आय सुरक्षित करना और बाज़ारों को मज़बूत बनाना

'पीएम-आशा' सुनिश्चित खरीद, मूल्य स्थिरीकरण और प्रभावी बाजार हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों का समर्थन करने के लिए एक मजबूत और व्यवस्थित तंत्र के रूप में उभरी है। यह नेफेड और एनसीसीएफ जैसी एजेंसियों के माध्यम से दालों, तिलहन और खोपरा जैसी प्रमुख फसलों की समय पर खरीद को संभव बनाती है। अतिरिक्त खरीद केंद्रों की स्थापना ने किसानों की बाजार तक पहुंच और उनके सामूहिक सशक्तिकरण को और अधिक सुदृढ़ किया है। डिजिटल सुधारों और बुनियादी ढांचे के सहयोग ने सभी राज्यों में खरीद प्रक्रियाओं की पारदर्शिता, कार्यक्षमता और पहुंच में सुधार किया है। सामूहिक रूप से, इन प्रयासों से किसानों को अपनी उपज का बेहतर दाम मिलता है, मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने की नौबत नहीं आती है और देश में एक स्थिर और मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

छगन लाल लोन्हारे

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा। परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओड़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधकर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के खेल मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु-बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्स, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं। हरेली तिहार सामाजिक समरसता का प्रतीक है यह केवल धार्मिक या कृषि पर्व नहीं है यह समाज के सभी वर्गों को एक साथ जोड़ने का माध्यम है। गांव के लोग मिल-जुलकर पूजा और कार्यक्रमों का आयोजन करते है। इस दिन परिवार में सुख-समृद्धि की कामना के साथ ही प्रकृति और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

लेखक संयुक्त संचालक जनसंपर्क हैं

साधना और जागृति के माध्यम से जीव अपने स्वरूप का अनुभव करता हैः निर्यापक श्रमण मुनि समतासागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। प्रत्येक जीव के भीतर अनंत शक्ति और परमात्मा बनने की योग्यता विद्यमान है। आवश्यकता केवल अपने उपादान को जागृत करने की है। उक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागर जी महाराज ने प्रात:कालीन धर्मसभा में शांतिधारा के वाचन से पूर्व व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आत्मकल्याण में देव, शास्त्र और गुरु महत्वपूर्ण निमित्त हैं, लेकिन वास्तविक परिवर्तन आत्मा के अपने परिणामों से होता है। साधना और जागृति के माध्यम से जब जीव अपने स्वरूप का अनुभव करने लगता है, तब यही संसारी आत्मा परमात्म पद की ओर अग्रसर होती है।

मुनिश्री ने निमित्त और उपादान का संबंध समझाते हुए कहा कि माटी के भीतर कुम्भ बनने की योग्यता पहले से मौजूद होती है। उस योग्यता को आकार देने में कुम्हार निमित्त बनता है। कुम्हार माटी के उपादान के बिना घड़ा नहीं बना सकता और माटी में घड़ा बनने की क्षमता होने के बावजूद वह स्वत: घड़े का रूप नहीं ले सकती। इसलिए दोनों के बीच समन्वय आवश्यक है। इसी प्रकार आध्यात्मिक जीवन में देव, शास्त्र और गुरु आत्मा के कल्याण में सहायक निमित्त बनते हैं, जबकि आत्मा का परिणमन उसके अपने भावों और पुरुषार्थ से होता है।

उन्होंने कहा कि भगवान की प्रतिमा, उनका जीवन, उनकी देशना और जिनवाणी आत्मजागरण के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। गुरु का सान्निध्य व्यक्ति को बाहरी दुनिया से दृष्टि हटाकर अपने भीतर देखने की प्रेरणा देता है। साधना के माध्यम से जब आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की अनुभूति करने लगती है, तब उसके भीतर परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ होती है।

मुनिश्री ने दीपक का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे भीतर प्रकाश देने की पूरी क्षमता मौजूद है। दीपक है, उसमें घी-तेल है और बत्ती भी लगी है, लेकिन वह तब तक प्रकाश नहीं देगा, जब तक उसे प्रज्वलित न किया जाए। इसी प्रकार आत्मा में अनंत शक्ति होते हुए भी वह संसार के अंधकार में भटकती रहती है। जागृत आत्माओं और गुरु के सान्निध्य से भीतर की चेतना को प्रज्वलित करने की प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा, बड़े बाबा का इतना बड़ा उजाला है, दीपक आपका है, घी-तेल आपका है, बत्ती भी आपकी है, अब आवश्यकता केवल इतनी है कि अपने बुझे हुए दीपक को जले हुए दीपक के पास ले आएं। कुण्डलपुर में भगवान के चरणों में पहुंचना केवल दर्शन या पूजा की क्रिया नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है।

मुनिश्री ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान के अभिषेक और शांतिधारा को केवल बाहरी धार्मिक क्रिया न मानें। जब भगवान के चरणों में जल अर्पित करें, तब यह भावना भी रखें कि हमारे भीतर का अज्ञान और मोह दूर हो तथा आत्मचेतना का प्रकाश प्रकट हो। श्रद्धा, विनम्रता और समर्पण के साथ की गई आराधना आत्मचिंतन का माध्यम बनती है।

उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले प्रबंध समिति के सदस्यों, पुजारी बंधुओं, सेवाभावी कार्यकर्ताओं और अन्य सहयोगियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को धर्मलाभ उपलब्ध कराने में इन सभी का योगदान महत्वपूर्ण है। व्यवस्था से लेकर पूजा-अर्चना तक प्रत्येक व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए धर्मकार्य में सहभागी बनता है।

मुनिश्री ने कहा कि धर्माराधना से अशुभ कर्मों के क्षय और पुण्य के उदय की स्थिति बनती है। पुण्य के प्रभाव से जीवन में अनुकूल परिस्थितियां आती हैं, विघ्न-बाधाएं कम होती हैं और अनेक कार्य सहजता से संपन्न होते हैं। हालांकि इन सांसारिक उपलब्धियों को धर्म का अंतिम लक्ष्य नहीं मानना चाहिए। धर्म का उद्देश्य आत्मा को उसके शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाना है।

आत्मा को भूलकर नहीं, स्वयं को समझकर मोक्ष की ओर बढ़ें : साध्वी मंजुलाश्रीजी

■ आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि आत्मा को भूलकर जीवन नहीं जीना चाहिए और संसार की उलझनों में स्वयं को नहीं खोना चाहिए। मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप को समझने के लिए निरंतर चिंतन और आत्ममंथन करना आवश्यक है।

साध्वीश्री ने कहा कि हमें चिंतन करना है और सबसे पहले स्वयं को समझना है। स्वयं को समझना ही मोक्ष प्राप्ति की दिशा में पहला कदम है। जब व्यक्ति अपने भीतर झांकता है और अपनी वास्तविक स्थिति को पहचानता है, तभी आत्मकल्याण का मार्ग खुलता है।

उन्होंने कहा कि संसार में दुखी व्यक्ति को भी सुखी व्यक्ति आकर्षक और सुखी लगता है, लेकिन वास्तविक सुख बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति में है। हमारे परिणाम अपने आप नहीं आते, बल्कि हमारे कर्म, विचार और भावनाएं ही परिणामों का निर्माण करती हैं। इसलिए जीवन में अच्छे भाव और सकारात्मक चिंतन रखना जरूरी है।

साध्वीश्री ने कहा कि अध्यात्म में रमने से व्यक्ति के चिंतन में व्यापकता आती है। आज हम दिनभर चिंतन करते रहते हैं, लेकिन जिस विषय पर वास्तव में चिंतन करने की आवश्यकता है, उस पर थोड़ा भी ध्यान नहीं देते। हमारा अधिकांश चिंतन व्यर्थ की बातों में उलझा रहता है। आवश्यक यह है कि चिंतन को सही दिशा देकर उस स्तर तक पहुंचाया जाए, जहां से जीवन में वास्तविक परिवर्तन शुरू हो सके।

उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि चातुर्मास के दौरान बाहरी संसार की उलझनों से कुछ समय निकालकर स्वयं के भीतर झांकें, आत्मा के स्वरूप को समझें और अपने चिंतन को धर्म, साधना एवं आत्मकल्याण की दिशा में लगाएं।

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी, एमजी रोड में 51 दिवसीय परमात्म भक्ति का आयोजन जारी है। इसी क्रम में 19 अगस्त 2026 को रात्रि 8:30 से 9:30 बजे तक विशेष परमात्म भक्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूज्य कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका प्रवर्तिनी महोदया निपुणाश्रीजी म.सा. की विदुषी शिष्या एवं प्रवचन प्रभाविका पूज्य मंजुलाश्रीजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ।

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की जन्म जयंती पर काव्य गोष्ठी संपन्न

ललितपुर (विश्व परिवार)। प्रबल आईएएस अकादमी में महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म जयंती के पावन अवसर पर साहित्यिक संस्था काव्य साधना मंच के तत्वाधान में पूजन, विचार गोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी सानंद सम्पन्न हुई। संस्कृत के विद्वान पं .अखिलेश मालवीय एवं इं. हाकिम सिंह लोधी द्वारा मां शारदे एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित किया तथा माल्यार्पण कर पूजन वंदन किया। गीतकार अखिलेश शॉडिल्य 'अखिल' द्वारा मां शारदे की वंदना की गई इसके बाद वक्ताओं ने गोस्वामी जी के जीवन कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अगले चरण में सरस काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। जिसमें संस्था के संरक्षक विनोद शर्मा, अध्यक्ष सुदेश सोनी, उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम नारायण पस्तोर, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र विद्रोही, संघठन मंत्री कृष्ण कुमार पाठक, प्रबल प्रताप सिंह, पंकज अंगार, रविन्द्र दिवाकर, मंजू कटारे, बाल मुकुंद सोनी, आकाश जैन एवं संजय सदर द्वारा उत्कृष्ट काव्य पाठ किया गया। इस अवसर पर आत्माराम रिछारिया, बृजमोहन संज्ञा, अखिलेश गोस्वामी, सत्यनारायण शुक्ला, शैलेन्द्र सिंघई, दिनेश सिंह राजपूत, विकास रावत, पंकज कुशवाहा, मोनू राजपूत, देवेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में प्रबल प्रताप सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। नवोदित स्वतंत्र लेखक एवं विचारक विशाल जैन पवा ने कहा कि महाकवि तुलसीदास का जीवन चरित्र और उनकी रचनाएँ साहित्यकारों एवं कवियों में नव ऊर्जा का संचार करती हैं।

भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक के साथ वार्षिक यात्रा का समापन

■ मोक्ष कल्याणक दिवस पर वेरूळ जैन तीर्थ में भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं ने किए भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस आज श्रावण सप्तमी के पावन अवसर पर वेरूळ पहाड़ मंदिर में बड़े उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुकुल से विद्यार्थियों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका समापन पहाड़ मंदिर में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान भगवान पार्श्वनाथ के अभिषेक एवं पूजन की विभिन्न बोलियाँ संपन्न हुईं। सौधर्म इंद्र जलाभिषेक, घृताभिषेक, मंगल आरती, शांतिधारा, ध्वजारोहण सहित अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जितेंद्र पाटणी ने इंद्र पद का मान प्राप्त किया। पंकज कुमार एवं निरंजन कवडे को जलाभिषेक का सौभाग्य मिला। चतुर्थ कलश अभिषेक का सम्मान वृषभ बांदे, अभिषेक बांदे, कुणाल पहाड़े, तुषार कासलीवाल, पुष्कर वाकळे एवं वर्धमान पांडे को प्राप्त हुआ। महेंद्र चंद्रशेखर ठोले ने घृताभिषेक किया, जबकि पूर्ण कलश अभिषेक मिताली सुकुमार नवले के हस्तों से संपन्न हुआ।

महेंद्र कुमार एवं सुमित कुमार ठोले के हस्तों से शांतिधारा की गई। अर्चना फल एवं तीर्थ रक्षा कलश का सम्मान पूनम सुकुमार नवले एवं गुलाबचंद बोराळकर को प्राप्त हुआ। मंगल आरती अनघा संकेत मिश्रीकोटकर द्वारा की गई। संस्था के महामंत्री प्रेमचंद पाटणी के हस्तों से ध्वजारोहण संपन्न हुआ।

भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्रशांत कुमार काला परिवार को प्राप्त हुआ। सर्वौषधि एवं पुष्पमाला का सम्मान लावण्या चेतन पाटणी, सुनील शहा एवं सुमनबाई बबनलाल ललित पाटणी परिवार को प्राप्त हुआ।

छत्रपति संभाजीनगर निवासी देवेंद्र कुमार सोनी की स्मृति में रोहित सोनी परिवार की ओर से महाप्रसाद का आयोजन किया गया। वहीं जलपान की व्यवस्था धीरज धरमचंद पाटणी की ओर से की गई।

इस पावन अवसर पर लासुर, वेरूळ, चापानेर, कन्नड, कसाबखेडा, छत्रपति संभाजीनगर सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु वेरूळ पहुंचे और भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन एवं पूजन का लाभ लिया।

एनआईटी रायपुर में विश्व उद्यमी दिवस पर 'एंटरप्रेन्योर्स मीटअप 2026' का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व उद्यमी दिवस के अवसर पर एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (NITRRFIE) ने एनआईटी रायपुर परिसर में 'एंटरप्रेन्योर्स मीटअप 2026' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम MeitY IndiaAI छत्तीसगढ़ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI-CoE), एनआईटी रायपुर के अंतर्गत, विकासगढ़ एवं स्टार्टअप ग्राइंड रायपुर के सहयोग से हुआ।

कार्यक्रम में 200 से अधिक लोग शामिल हुए, जिनमें स्टार्टअप संस्थापक, उद्यमी, विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी, इनोवेटर्स तथा स्टार्टअप क्षेत्र से जुड़े अन्य लोग शामिल थे। यह मीटअप एक खुले और सहज माहौल में रखा गया, ताकि लोग आपस में बातचीत कर सकें, एक-दूसरे से सीख सकें और उपयोगी संपर्क बना सकें। नए उद्यमियों को उन लोगों से सीधे मिलने और बात करने का अवसर मिला, जो पहले से अपना व्यवसाय खड़ा कर चुके हैं। कार्यक्रम में श्री विनय कुमार श्रीरंगम, संस्थापक, WiseBooks; डॉ. नीता कंवर, निदेशक, प्रणा; श्री अभिषेक नखाते, संस्थापक, Sreegen AI; तथा डॉ. सौरभ गुप्ता, सहायक प्राध्यापक, एनआईटी रायपुर ने अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने बताया कि किसी विचार को आमदनी देने वाले व्यवसाय में बदलने के लिए वास्तव में क्या करना पड़ता है। उन्होंने सही समस्या चुनने, पहला उत्पाद तैयार करने, शुरुआती ग्राहक बनाने और परिणाम अपेक्षा के अनुसार न मिलने पर धैर्य बनाए रखने पर बात की।

विजय संचेती का इस वर्ष भी मासखमन

रायपुर (विश्व परिवार)। पंचशील नगर निवासी एवं 'तपस्वी रत्न' सुश्रावक श्री विजय संचेती ने नेपाल केसरी, राष्ट्र संत परम पूज्य गुरुदेव श्री मणिभद्र मुनि जी के आशीर्वाद से एक माह का निराहार उपवास मासखमन आज पूर्ण किया। उनके इस कठिन तप की निरंतरता और साधना के प्रति समर्पण ने समाज के लोगों को प्रेरित किया है।

विदित हो कि श्री विजय संचेती विगत 32 वर्षों से लगातार मासखमन की तपस्या करते आ रहे हैं। इस वर्ष उनका यह 33वां मासखमन है। जैन समाज में मासखमन को अत्यंत कठिन एवं विशिष्ट तपस्या माना जाता है। इसमें साधक पूरे एक माह तक अन्न एवं अन्य खाद्य पदार्थों का पूर्ण त्याग करते हुए केवल गरम जल का सेवन कर निराहार उपवास करता है।

समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री विनय पटवा ने बताया कि लगातार 33 वर्षों से इस प्रकार की कठोर तपस्या करना अपने आप में एक असाधारण आध्यात्मिक उपलब्धि है। श्री संचेती की तपस्या धर्म के प्रति उनकी गहरी आस्था, आत्मसंयम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचायक है। उन्होंने कहा कि उनकी इस साधना से समाज के अन्य लोगों को भी संयम, त्याग और आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा मिलती है। श्री पटवा ने आगे बताया कि 33वें मासखमन का पारणा कुम्हारी स्थित जैन तीर्थ कैवल्य धाम में 'बस्तर प्रहरी' परम पूज्य श्री राजेश श्री जी म. सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। पारणा का कार्यक्रम प्रात: 11:30 बजे से दोपहर 12:15 बजे के मध्य हुआ। इस अवसर पर जैन समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहकर तपस्वी श्री विजय संचेती का अभिनंदन तथा उनके तप की अनुमोदना की।

धर्म के लिए पाप और पाप के लिए धर्म करना महाअनाचार : मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा. जी

■ मन का चौकीदार बनकर रहें जागृत, तभी आत्मा को पतन से बचाया जा सकेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की चातुर्मासिक प्रवचनमाला में शुक्रवार को परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने धर्म और आचरण को लेकर श्रावकों को सावधान किया। मुनिश्री ने कहा कि धर्म के लिए कभी पाप नहीं करना चाहिए और पाप के लिए कभी धर्म नहीं करना चाहिए। ऐसा करना महाअनाचार है। यदि जीव इन महाअनाचारों का सेवन करता है तो वह दुख, दुर्गति और पीड़ा के चक्रव्यूह में फंस जाता है। ये अनाचार की भूमिका के अंतिम दो पड़ाव हैं। मुनिश्री ने कहा कि मन के चौकीदार बनो और उस पर हमेशा चौकसी रखो। मन पर सावधानी रही तो जीवन सद्गति की ओर बढ़ेगा, लेकिन मन को खुला छोड़ दिया तो दुख, दुर्गति और पीड़ा का सर्जन होगा। मन में अनाचार के विचार प्रवेश न करें, इसके लिए सदैव जागृत रहना जरूरी है। मुनिश्री ने कहा कि जिसका लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है, उसके जीवन में कुदर्शन ध्यान के स्थान पर सुदर्शन ध्यान, अनाचार ध्यान के स्थान पर आचार ध्यान और अज्ञान ध्यान के स्थान पर ज्ञान ध्यान प्रवेश करता है।

केवल नारे लगाने से संसार चक्र से पार नहीं हो पाओगे : आचार्य श्री समय सागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। राजधानी में चातुर्मास की साधना कर रहे आचार्य समय सागर महाराज सा संघ के सानिध्य में अध्यात् धार्मिक अनुष्ठान के साथ विधोदय तीर्थ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं का आना लगा हुआ हे, भगवान आदिनाथ की वंदना के बाद आचार्य संघ की वर्षायोग साधना की क्रियाएं शुरू हो जाती है, प्रतिदिन रत्नकरंडक श्रवाकाचार और समय सार ग्रंथ की वाचना के साथ आचार्य श्री के मुख से जीवन जीने में अध्यात्म के साथ सामाजिक समरसता परस्पर सहयोग की भावना जीव दया और अहिंसा को धारण करने का संदेश दिया जा रहा है, आचार्य श्री ने कहा नारे लगाने से संसार चक्र पार नहीं होगा, सिद्धांत ओर आगम के उपदेश को जीवन में उतारेंगे तो संसार चक्र पार होगा, आकांक्षाएं अनंत हे, उन्हें लिमिट कर सीमा में बांधिए, श्रद्धान समीचीन होना चाहिए सम्यक दृष्टि जीव पाप का नहीं सत्य का धर्म का समर्थन करता हे, विपरीत दुष्प्रचार से सम्यक दृष्टि साधक कभी भय भीत नहीं होगा संपत्ति कितनी भी अर्जन कर लो पर उसके सदुपयोग के लिए भी पुण्य चाहिए वित्त का दुरुपयोग करने वाला बुद्धि का भी दुरुपयोग करता हैआचार्य श्री ने कहा कषाय की मंदता से ही पुण्य का संचय होता है तीव्र कषाय वाला कभी भी पुण्य का संचय नहीं कर सकता आचार्य श्री विद्या सागर महाराज की अष्ट द्रव्य के माध्यम से आराधना का सौभाग्य मंगलवारा मंदिर समिति को मिला, अध्यक्ष आदित्य मन्या समेत अनेक लोग मौजूद थे। भोपाल बहन खुशबू दीदी अन्य बहनों ने लिया आचार्य श्री से आशीर्वाद ब्रह्मचारिणी खुशबू दीदी सोनल दीदी बामौर पूजा दीदी ने आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित कर वैराग्य के पथ पर आगे बढ़ने श्री फल भेट किया।

धर्म चक्र व्रत : 16 निर्जल उपवास की कठिन साधना में जुटे अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

■ पुष्पगिरी तीर्थ में 19 अगस्त से 10 सितंबर तक चलेगी साधना; 10 सितंबर को होगा भव्य महापारणा

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। तपोनिधि एवं व्रत चक्रवर्ती, तपो चक्रवर्ती, पट्टविभूषण अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ इन दिनों धर्मनगरी पुष्पगिरी तीर्थ, देवास में विराजमान हैं। अभूतपूर्व तप-साधना की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए आचार्य श्री ने अब नूतन 'धर्म चक्र व्रत' का संकल्प धारण किया है। यह कठिन साधना 19 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक चलेगी, जिसमें कुल 16 निर्जल उपवास होंगे तथा 10 सितंबर को भव्य महापारणा होगी।

आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज, तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज एवं गणाचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य हैं। इससे पूर्व उन्होंने कठिन 'पंच मेरु व्रत' के अंतर्गत 168 निर्जल उपवास की घोर तपस्या पूर्ण की। इसका महापारणा 17 अगस्त को पुष्पगिरी तीर्थ में संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि पंच मेरु व्रत की साधना पूर्ण करने के तत्काल बाद उन्होंने बिना विश्राम लिए धर्म चक्र व्रत का संकल्प ग्रहण किया।

ऐसे होगी धर्म चक्र व्रत की साधना

धर्म चक्र व्रत में कुल 16 निर्जल उपवास और 6 पारण होंगे। साधना क्रम इस प्रकार रहेगा- 20 अगस्त: पहला उपवास, 21 अगस्त को पारणा, 22-23 अगस्त: लगातार 2 उपवास, 24 अगस्त को पारणा, 25-27 अगस्त: लगातार 3 उपवास, 28 अगस्त को पारणा, 29 अगस्त-1 सितंबर: लगातार 4 उपवास, 2 सितंबर को पारणा, 3-7 सितंबर: लगातार 5 उपवास, 8 सितंबर को पारणा, 9 सितंबर: 16वां उपवास, 10 सितंबर: भव्य महापारणा, आचार्य श्री की इस कठिन तप-साधना के प्रति देशभर के श्रद्धालुओं में विशेष श्रद्धा एवं उत्साह है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुष्पगिरी तीर्थ पहुंचकर गुरुदेव के दर्शन, वंदन एवं तप की अनुमोदना का लाभ ले रहे हैं।

सकल जैन समाज की भावना है कि अंतर्मना गुरुदेव की यह उग्र तप-साधना निर्विघ्न, सानंद एवं प्रभावनापूर्वक संपन्न हो तथा इसके माध्यम से आत्मकल्याण और जगत्कल्याण की भावना और अधिक सशक्त बने।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्कार भारती कृत 'चिरंतन' पत्रिका का विमोचन

■ देश भर के विद्वानों ने की सराहना

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा शुक्रवार को राजधानी के होटल बेबीलोन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्कार भारती कृत 'चिरंतन' पत्रिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया गया।समारोह में संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे (आईएएस), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली की कला दर्शन विभाग की अध्यक्ष प्रो. ऋचा कंबोज, डॉ. हेमलता एस. मोहन, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, विचारक टोप लाल वर्मा और संस्कार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओजस हिराणी सहित देशभर से आए विद्वानों ने पत्रिका का विमोचन किया। वक्ताओं ने पत्रिका में संकलित आलेखों पर चर्चा करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और कला के संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास बताया। 'चिरंतन' में भारतीय परम्परा, लोककला और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित शोधपरक रचनाओं का समावेश है।

इस अवसर पर केंद्रीय टोली सदस्य एवं कला धरोहर विभाग के प्रांत संयोजक हरि सिंह क्षत्री, पुराविद् डॉ. शुभ्रा रजक तिवारी, डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, जिला संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, संस्कार भारती की टीम सहित बड़ी संख्या में देश भर से पधारे संस्कृति,कला प्रेमी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

संक्षिप्त समाचार

साइकिल रेस 2.0 – "Ride & Lead" का आयोजन 23 अगस्त को दंतेश्वरी मंदिर प्रागण से

जगदलपुर (विश्व परिवार)। JCI जगदलपुर सिटी द्वारा "Cycle Race 2.0 – Ride & Lead" का आयोजन रविवार, 23 अगस्त 2026 को प्रात: 7:15 बजे किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं नागरिकों में फिट्नेस, साइकिलिंग तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस साइकिल रेस में शहर के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 5वीं से 8वीं तक के 450 से अधिक विद्यार्थी उत्साहपूर्वक हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही लगभग 150 से 200 पुलिसकर्मी भी साइकिल रैली में शामिल होकर इस जनजागरूकता पहल को अपना समर्थन प्रदान करेंगे। JCI जगदलपुर सिटी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों एवं युवाओं को स्वस्थ, सक्रिय एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सड़क सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली का सकारात्मक संदेश देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

14वीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से, 250 खिलाड़ी 30 अधिकारी लेंगे हिस्सा

जगदलपुर। बस्तर जिला जूडो संघ के तत्वावधान में दो दिवसीय 14वीं इंटर स्कूल जूडो प्रतियोगिता का आयोजन नगर के टाउन हॉल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 22 अगस्त को शाम 4 बजे आयोजित होगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि योगेंद्र पांडेय, संरक्षक, ऑल बस्तर जिला जूडो संघ होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हाजी वसीम अहमद, ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन; सुशांत पोल, खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जगदलपुर; अमित जैन, डायरेक्टर, संस्कार द गुरुकुल; अभिषेक अवस्थी, डायरेक्टर, सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी, जगदलपुर; राणा घोष,अध्यक्ष,बस्तर जिला फुटबॉल संघ तथा शंकर श्रीवास, अभिकर्ता, एलआईसी उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता का समापन समारोह 23 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि संजय पांडेय, महापौर, नगर पालिका निगम जगदलपुर तथा संग्राम सिंह राणा, सभापति, राजस्व, नगर पालिका निगम जगदलपुर सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। अतिथियों के करकमलों से विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया जाएगा तथा इसके साथ ही प्रतियोगिता का समापन होगा। इस प्रतियोगिता में बस्तर संभाग के बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा एवं बीजापुर जिलों के साथ-साथ राजनांदगांव, सर्वदा एवं धमतरी से लगभग 250 खिलाड़ी एवं 30 अधिकारी भाग लेंगे।

दूध उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने गरियाबंद में 'रेड नेपियर' का अनुठा प्रयोग

20-22 प्रतिशत प्रोटीन वाले अत्याधुनिक चारे की ओर बढ़े डेयरी पशुपालक, मक्का-नेपियर हाइब्रिड बीज उत्पादन का भी नवाचार

गरियाबंद (विश्व परिवार)। डेयरी पालन में अब सिर्फ दूध उत्पादन बढ़ाना ही लक्ष्य नहीं, बल्कि दूध की लागत कम कर पशुपालकों की आमदनी बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। इसी दिशा में गरियाबंद विकासखंड में हरे चारे को लेकर किए जा रहे नए प्रयोग डेयरी क्षेत्र के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आए हैं। विभाग की तकनीकी सहायता से शहर और आसपास के डेयरी पशुपालकों ने अत्याधुनिक रेड नेपियर चारे की खेती शुरू की है।

पिछले 4ङ्क5 वर्षों में विभाग की महत्वाकांक्षी डेयरी उद्यमिता विकास योजना के चलते गरियाबंद शहर और आसपास के क्षेत्रों में लघु डेयरियों की संख्या में वृद्धि हुई है। इससे लोगों को शुद्ध एवं ताजा दूध उपलब्ध होने के साथ ही अन्य पशुपालकों का रुझान भी डेयरी व्यवसाय की ओर बढ़ा है। हालांकि पशुपालकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती पशुओं के दाना और अन्य खुराक पर होने वाला खर्च है।

डेयरी फार्म की कुल लागत में पशुओं की खुराक का बड़ा हिस्सा होता है। ऐसे में यदि पशुपालक अपने खेत में पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक हरा चारा तैयार कर लें तो बाजार से दाना एवं चारा खरीदने पर होने वाला आर्थिक दबाव कम किया जा सकता है। इसी सोच के साथ गरियाबंद में हरा चारा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

गरियाबंद क्षेत्र के पशुपालकों ने विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन से रेड नेपियर चारा लगाया है। बताया गया है कि इस चारे में लगभग

20ङ्क22 प्रतिशत तक प्रोटीन पाया जाता है तथा इसमें गन्ने जैसी मिठास होती है। यह पौष्टिक चारा दुधारू पशुओं की आहार व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और संतुलित पशु आहार के साथ इसके उपयोग से पशुपालकों को आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

यह रेड नेपियर ओडिशा के संबलपुर जिले स्थित सेंट्रल कैटल ब्रीडिंग फार्म से मंगाया गया है। राज्य में इस अत्याधुनिक चारे को पशुपालकों के स्तर पर लगाने का यह शुरुआती और उल्लेखनीय प्रयास है।

गरियाबंद की एक और खास पहल मक्का और नेपियर के क्रॉस से तैयार हाइब्रिड चारे को लेकर है। पशु चिकित्सालय गरियाबंद सहित कुछ अन्य पशुपालकों द्वारा वर्तमान में इस फसल को बीज उत्पादन के उद्देश्य से लगाया गया है। इसे प्रदेश में हरे चारे के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में देखा जा रहा है। हरे चारे का स्थानीय स्तर पर उत्पादन पशुपालकों के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे बाजार से चारा खरीदने की निर्भरता घटेगी, पशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध होगा और डेयरी संचालन की लागत में कमी आने की संभावना रहेगी। परिणामस्वरूप दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ पशुपालकों की शुद्ध आय में वृद्धि का रास्ता भी खुल सकता है।

गरियाबंद विकासखंड में शुरू हुए रेड नेपियर और मक्का-नेपियर हाइब्रिड चारे के प्रयोग को सस्टेनेबल डेयरी फार्मिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि इन प्रयोगों के सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं तो आने वाले समय में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के पशुपालक भी इसे अपनाकर डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बना सकते हैं।

वंदे मातरम्' के पूर्ण गान पर कांग्रेस का निर्णय देश की भावना का अपमान : सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'वंदे मातरम्' के पूर्ण गान के स्थान पर केवल दो अंतरे गाने के निर्णय पर बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह निर्णय न केवल देश की भावनाओं का अपमान है,बल्कि राष्ट्रगीत के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक भावना की भी अवहेलना है।

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि वर्ष 1937 में तुष्टीकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने 'वंदे मातरम्' के पूर्ण स्वरूप को लेकर विभाजनकारी दृष्टिकोण अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति ने देश के सामाजिक और राजनीतिक विभाजन को बढ़ावा दिया,

जिसका परिणाम अंतत: देश के विभाजन के रूप में सामने आया।

उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इस ऐतिहासिक विषय को उचित सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऐसे समय में कांग्रेस द्वारा पुन: केवल दो अंतरे गाने का निर्णय उसकी पुरानी तुष्टीकरण की राजनीति की ओर लौटने का संकेत है।

श्री कश्यप ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की ऐतिहासिक अभिव्यक्ति है। इसके सम्मान को किसी राजनीतिक स्वार्थ या वोट बैंक की राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर पूर्ण 'वंदे मातरम्' के गायन से उसे आपत्ति क्यों है। देश की जनता सब देख रही है और तुष्टीकरण की राजनीति का उचित जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी द्य

रक्षाबंधन पर बिहान की दीदियों ने थामा स्वावलंबन का धागा

स्थानीय सामग्री से तैयार आकर्षक राखियां बनीं आय का जरिया

गरियाबंद। रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष जिले की बिहान से जुड़ी ग्रामीण दीदियों के लिए भाई-बहन के स्नेह के साथ स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर भी लेकर आया है।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय एवं पारंपरिक सामग्री से आकर्षक राखियों का निर्माण कर रही हैं।राखियों के विक्रय से महिलाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है और वे स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मैनपुर विकासखंड में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा राखी निर्माण एवं विक्रय की गतिविधि संचालित कर रही है। समूह द्वारा 5 हजार 340 रुपये की लागत से राखियां तैयार कर अब तक 11 हजार 258 रुपये की बिक्री कर चुकी है।इसी प्रकार विकासखंड गरियाबंद में संजीवनी संकुल संगठन जोबा से संबद्ध गायत्री स्व-सहायता समूह सढ़ौली की चार महिला सदस्य विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियों का निर्माण कर रही हैं। समूह द्वारा धान चावल,मूंगा,मटर,झरगा,सेमी,अरहर सहित अन्य स्थानीय सामग्री से राखियों की विभिन्न वैरायटी तैयार की गई है। इन राखियों की कीमत 5 रुपये से 60 रुपये तक निर्धारित की गई है। विकासखंड छुरा के ग्राम जामली स्थित जय भवानी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने भी बांस से निर्मित राखियों को बाजार तक पहुंचाने की पहल की है। समूह की महिलाओं द्वारा पूर्व वर्षों में भी राखियों का निर्माण किया गया था। वर्ष 2026 में इस गतिविधि को बढ़ाते हुए वर्तमान में लगभग 1 हजार राखियों का स्टॉक तैयार किया गया है, जिन्हें रक्षाबंधन पर्व पर विक्रय किया जाएगा।

विकासखंड फिंगेश्वर के ग्राम पंचायत रोहिना अंतर्गत जय मां घटारानी स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती कोयल साहू, विजय विकास महिला संकुल संगठन कौंदकेरा से जुड़कर आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण राखियों का निर्माण कर रही हैं। उन्होंने इस वर्ष लगभग 5 हजार राखियां तैयार की हैं।

इनमें 5 रुपये से 40 रुपये तक की विभिन्न डिजाइनों वाली राखियां शामिल हैं। समूह द्वारा 10 हजार रुपये की लागत से राखियां तैयार कर अब तक 12 हजार रुपये की बिक्री दर्ज की गई है। वर्तमान में लगभग 4 हजार राखियां उपलब्ध हैं, जिनके विक्रय से अनुमानित रूप से 16 हजार रुपये तक लाभ अर्जित कर सकते है।

जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियों को बाजार उपलब्ध कराने और उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी जनपद पंचायतों में केनोपी के माध्यम से राखी विक्रय स्टॉल लगाए जा रहे हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही महिला समूहों के उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा आकांक्षा हाट के माध्यम से 21 से 28 अगस्त 2026 तक राखी विक्रय के लिए विशेष स्टॉल लगाया जा रहा है। स्टॉल के संचालन तथा राखी उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय की आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इससे जिले की ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होगा और स्थानीय स्तर पर तैयार राखियों को प्रोत्साहन मिलेगा।बिहान से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं अब पारंपरिक आजीविका गतिविधियों तक सीमित न रहकर गैर-कृषि आधारित उद्यम, उत्पाद निर्माण,पैकेजिंग,मूल्य निर्धारण और बाजार से जुड़ाव की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। पर्व-त्योहारों को स्थानीय उत्पादों के बाजार से जोड़कर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी का अवसर मिल रहा है।

छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर अब विद्यार्थियों की जानकारी एवं उपस्थिति ऑनलाइन

आम नागरिक एवं अभिभावक पोर्टल के माध्यम से देख सकेंगे छात्र-छात्राओं की जानकारी

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास,अनुसूचित जाति विकास,पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के पंजीयन एवं प्रबंधन के लिए छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल संचालित किया जा रहा है। छात्रावास एवं आश्रमों के संचालन में पारदर्शिता तथा प्रभावी निगरानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोर्टल में दर्ज छात्र-छात्राओं की जानकारी को अब पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के तहत आम नागरिक एवं अभिभावक भी संबंधित छात्रावास एवं आश्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे।पोर्टल के होम पेज पर उपलब्ध विद्यार्थी उपस्थिति रिपोर्ट मेनू के माध्यम से संस्था में प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी के साथ उनकी मासिक उपस्थिति भी देखी जा सकेगी। संबंधित छात्रावास एवं आश्रम द्वारा प्रत्येक माह की विद्यार्थी उपस्थिति अगले माह की 10 तारीख तक पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। इससे विद्यार्थियों की उपस्थिति की ऑनलाइन निगरानी के साथ छात्रावास एवं आश्रमों के संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस व्यवस्था के अंतर्गत शासकीय,अशासकीय,अनुदान प्राप्त एवं विशिष्ट संस्थाओं सहित विभागीय पोर्टल में दर्ज संस्थाओं में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी एवं उनकी मासिक उपस्थिति ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत लाभान्वित छात्र-छात्राओं की जानकारी भी इसी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। पोर्टल के होम पेज पर उपलब्ध नया क्या है टैब के माध्यम से योजना से संबंधित विद्यार्थियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

गरियाबंद की नई कमान रणबीर शर्मा के हाथ, 14वें कलेक्टर के रूप में संभाला पदभार

शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत और बेहतर क्रियान्वयन पहली प्राथमिकता, आमजन तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ

गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्रशासनिक बदलाव के साथ गरियाबंद जिले को नई नेतृत्व क्षमता मिली है। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी रणबीर शर्मा ने शुक्रवार को जिला कार्यालय पहुंचकर गरियाबंद के 14वें कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान कलेक्टर बीएस उइके से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करते ही शर्मा ने जिले के विकास कार्यों, शासन की योजनाओं और विभागीय गतिविधियों की जानकारी लेते हुए स्पष्ट संकेत दिया कि जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन तक उनका लाभ पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

रहेगा।

कार्यभार ग्रहण के दौरान निवर्तमान कलेक्टर बीएस उइके ने रणबीर शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंटकर नए दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंटकर नवनियुक्त कलेक्टर का स्वागत किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मौके पर मौजूद

अधिकारियों से परिचयात्मक चर्चा की। उन्होंने जिले में संचालित विकास कार्यों और विभिन्न विभागों की गतिविधियों की सामान्य जानकारी ली। इस दौरान जिले के विकास की गति को और तेज करने को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई।

रणबीर शर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत एवं बेहतर क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता होगी। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के साथ ही जिले के विकास को नई गति देने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जाएगा।

गरियाबंद के 14वें कलेक्टर के रूप में नियुक्त रणबीर शर्मा इससे पहले समाज कल्याण विभाग के संचालक के रूप में कार्यरत थे। प्रशासनिक अनुभव के साथ उन्होंने अब गरियाबंद जिले की जिम्मेदारी संभाली है।

पदभार ग्रहण के बाद कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और जिले में चल रहे प्रमुख कार्यों की जानकारी ली।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर, नवीन भगत सहित सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

रिमझिम सावन मेला के शुभारंभ में कौशल्या देवी साय एवं सरोज पाण्डेय हुईं शामिल

■ महापौर अलका बाघमार सहित निगम की व्यवस्थाओं की सराहना, महिलाओं ने मनोरंजक खेलों व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिमझिम सावन मेला-2026 का शुभारंभ आज विवेकानंद सभागार में भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. सरोज पाण्डेय तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर श्रीमती कौशल्या देवी साय एवं डॉ. सरोज पाण्डेय का निगम की एमआईसी सदस्यों एवं पार्षदगण द्वारा गरिमामय स्वागत किया गया।

श्रीमती कौशल्या देवी साय,डॉ सरोज पांडेय के साथ महापौर अलका बाघमार ने सावन झूले का आनंद भी लिया। मेले में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों, प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं विभिन्न स्टॉलों की व्यवस्था की गई है, जिसका शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

सावन मेला हमारी संस्कृति और परंपरा का जीवंत उत्सव : कौशल्या देवी साय

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी, श्रीमती कौशल्या देवी साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की कला, संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजने और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सावन उत्सव हमारी संस्कृति और सभ्यता की खूबसूरत पहचान है। उन्होंने कहा कि दुर्ग का रिमझिम सावन मेला हर वर्ष नई उम्मीद और नई ऊर्जा लेकर आता है। यह आयोजन मनोरंजन, संस्कृति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बन चुका है।

उन्होंने कहा कि इस मेले ने दुर्ग शहर की सांस्कृतिक पहचान को नया आयाम दिया है और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी इसकी सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने महापौर अलका बाघमार सहित नगर निगम की पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए, ताकि हमारी लोक संस्कृति और परंपराएं सदैव जीवंत रहें।

सावन मेला दुर्ग की आत्मा और लोकसंस्कृति का जीवंत प्रमाण

डॉ. सरोज पाण्डेय डॉ. सरोज पाण्डेय ने कहा कि सावन मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि दुर्ग की आत्मा, संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रमाण है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सावन मास में आयोजित यह कार्यक्रम समाज के सभी वर्गों को जोड़ने के साथ ही लोक संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आयोजन को निरंतर जारी रखने की शुभकामनाएं दीं।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि रिमझिम सावन मेला की सफलता में शहरवासियों, निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सभी स्टॉल संचालकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यह मेला अब केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि दुर्ग शहर की सांस्कृतिक पहचान और धरोहर बन चुका है। अगले वर्ष इसे और भी व्यापक एवं भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

धमनियों में छिपा खतरा: वैस्कुलर डिजीज लिए क्यों जरूरी है सतर्कता

रायपुर (विश्व परिवार)। क्या आपके जोड़ों में दर्द रहता है? या त्वचा दिन- ब- दिन खराब होते जा रही है? हो सकता है, यह समस्याएं न चर्म रोग से जुड़ी हो न अर्थराइटिस से। यह रक्त संचार मे लाने वाले रुकावट 'वैस्कुलर डिजिज़' से जूरी हो सकती है जिसके लक्षणों को हम आम समझकर अनदेखा कर देते हैं। यह बीमारी जितनी आसानी से नज़रअंदाज़ हो जाती है, उतनी ही महंगी साबित होती है। जिन लक्षणों को लोग मामूली समझकर टाल देते हैं, जैसे पैरों में ऐंठन, ठंडे पैर या न भरने वाला घाव, वही अक्सर किसी बड़ी जटिलता से पहले मिलने वाली इकलौती चेतावनी होते हैं।

लक्षण छोटे, नुकसान बड़े

वैस्कुलर डिजीज़ शरीर को अंदर से चुपचाप खोखला कर देने वाली एक गंभीर बीमारी है। क्योंकि, टांगों मै दर्द जैसे लक्षणों को हम बुढ़ापे की समस्या समझ कर टाल देते हैं। जब हमे हमारे पैर ठंडे महसूस होते है, हम इन लक्षणों को अनदेखा कर, मौसम पर डाल देते हैं। न भरने वाला घाव किस्मत पर डाल दिया जाता है। ये लक्षण उस समय हमारे दिमाग में नहीं आते हैं और हर बहाना बीमारी को बिना पकड़े आगे बढ़ने का और समय दे देता है, जब तक कि धमनियां खुद संभलने लायक नहीं रह जातीं।

किन्हें सबसे ज़्यादा खतरा

यह खतरा डायबिटीज़ के मरीज़ों और धूम्रपान का सेवन करने वालों में सबसे ज़्यादा होता है, क्योंकि इन दोनों समूहों में परिधीय धमनी रोग (हाथ-पैरों की नसों का ब्लॉक होना) का खतरा सामान्य आबादी से कहीं अधिक होता है। इनमें से कई मरीज़ों की असली डायग्नोसिस किसी स्क्रीनिंग या स्कैन से नहीं होती। यह तब सामने आती है जब पैर का घाव भरना बंद हो जाता है या किसी अंग में रक्त संचार लगभग रुक जाता है, तब यह आम लक्षण नहीं रह जाते बल्कि आपातकालीन स्थिति में तब्दील हो जाते हैं।

समय पर स्क्रीनिंग क्यों ज़रूरी है

निराशाजनक सच्चाई यह है कि ऐसा होना ज़रूरी नहीं है। वैस्कुलर स्क्रीनिंग एक छोटी प्रक्रिया है जो बीमारी को संकट बनने से बहुत पहले पकड़ सकती है। समय पर पता चलने पर इलाज सिर्फ दवा या जीवनशैली में बदलाव तक सीमित हो सकता है। देर से पता चलने पर इलाज किसी अंग को खोने या ऐसे स्ट्रोक से गुज़रने तक पहुंच सकता है, जिसे स्क्रीनिंग से रोका जा सकता था। वैस्कुलर डिजीज़ आगे बढ़ने से पहले इजाज़त नहीं मांगती। यह बस इंतज़ार करती है। वैस्कुलर डिजीज़ का कारगर जवाब डर नहीं, बल्कि एक पांच मिनट का टेस्ट है, जो किसी अंग को, किसी जीवन को बचा सकता है।

शक्कर व्यापारियों के साथ स्टॉक सीमा को लेकर प्रशासन एवं व्यापारियों की महत्वपूर्ण बैठक

■ कैट के कार्यकारी अध्यक्ष राम मंधान के नेतृत्व में व्यापारी हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि माननीय कलेक्टर, जिला रायपुर के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान राठौर की अध्यक्षता में कलेक्टर खाद्य शाखा, रायपुर में जिले के शक्कर व्यापारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री अमर पारवानी ने बताया कि बैठक में खाद्य नियंत्रक, जिला रायपुर श्री भूपेन्द्र मिश्रा, सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमती बिंदु प्रधान एवं खाद्य निरीक्षक श्री विवेक मिश्रा सहित कैट छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राम मन्धान के नेतृत्व में डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के अध्यक्ष श्री प्रेम पाहुजा एवं बड़ी संख्या में शक्कर व्यापारी उपस्थित रहे।

रायपुर विकास प्राधिकरण में सभा कक्ष 'दृष्टि' का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर विकास प्राधिकरण के न्यू राजेन्द्र नगर स्थित भक्त माता कर्मा परिसर के तृतीय तल में नवनिर्मित सभा कक्ष 'दृष्टि' का लोकार्पण आज रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. शर्मा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अवनीश कुमार शरण सहित प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अवनीश शरण के दिशा-निर्देशन में किया गया। उन्होने कहा की सभा कक्ष 'दृष्टि' का लोकार्पण प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। 'दृष्टि' अपने नाम के अनुरूप प्राधिकरण के विकास कार्यों को नई सोच, बेहतर कार्ययोजना एवं सकारात्मक संकल्प के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा का वातावरण निर्मित करेगा।

लोकार्पण के इस अवसर पर प्राधिकरण अध्यक्ष नन्द कुमार साहू द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि किसी भी संस्था की कार्यप्रणाली में स्पष्ट दृष्टिकोण, सकारात्मक सोच और सामूहिक संकल्प की महत्वपूर्ण भूमिका होती है सभा कक्ष 'दृष्टि' प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों और कर्तव्यों के प्रति और अधिक समर्पित होकर कार्य करने तथा रायपुर शहर के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. जे. पी. शर्मा द्वारा विचार व्यक्त किया गया कि प्राधिकरण द्वारा रायपुर शहर के विकास कार्यों को नई गति एवं दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। सभा कक्ष 'दृष्टि' इसी सकारात्मक सोच एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नई दृष्टि, नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

महापौर चौबे ने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

■ आकांक्षीय शौचालयो का कार्य तत्काल गतिमान कर गुणवत्ता सहित मॉनिटरिंग कर पूर्ण करवाने दिये निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम मुख्यालय स्वच्छ भारत मिशन शाखा के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश संबंधितों को दिये।

महापौर मीनल चौबे ने कार्यपालन अभियंता नोडल अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन शाखा श्री योगेश कडु को आकांक्षीय शौचालयो के कार्यों को तत्काल गतिमान कर सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से प्राथमिकता के आधार पर जनहित में जनसुविधा हेतु पूर्ण करना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये।

महापौर ने स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित कार्यों के लंबित प्रस्तावो को शीघ्र तैयार कर शासन को स्वीकृति हेतु भेजने आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

महापौर मीनल चौबे ने रामकी कंपनी के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर नगर निगम क्षेत्र में शत -प्रतिशत एरिया कव्हर कर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य प्राथमिकता से स्वच्छता व्यवस्था सुधार हेतु करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। उन्होंने इसके तहत घर-घर कचरा पृथकीकरण का कार्य सघन जनजागरण जोनो के माध्यम से वार्ड पार्षदो से समन्वय बनाकर करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन शाखा उप अभियंता श्रीमती कृष्णा राठी, श्री संस्कार शर्मा, विषय विशेषज्ञ श्री प्रणीत चोपडा श्री सूरज चंद्राकर की उपस्थिति महापौर कक्ष में रही।

सफाई व्यवस्था प्रभावित करने पर संबंधित ठेकेदार को आयुक्त ने थमाई नोटिस

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। बारिश में मौसमी बीमारी से बचने एवं सुचारू पानी निकासी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम का स्वास्थ्य अमला साफ सफाई में जोर दे रहा है। महापौर एवं आयुक्त स्वयं वार्डों में जाकर सफाई का जायजा लेकर व्यवस्था में सुधार के निर्देश दे रहे है। इस तारतम्य में ठेका वार्ड में सफाई कार्य बंद करने से सफाई व्यवस्था प्रभावित होने पर संबंधित महिला समूह को आयुक्त जी.आर. मरकाम ने नोटिस जारी किया है।

नोटिस में आयुक्त श्री मरकाम ने कहा है कि भाग्य लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह कौरिनभाठा को निकाय अंतर्गत वार्ड नं. 32 एवं वार्ड नं. 47 में सफाई कार्य का दायित्व सौपा गया था। किन्तु इनके द्वारा वार्ड नं. 32 में 1 अगस्त से एवं वार्ड नं. 47 में 6 अगस्त 2026 से बिना किसी पूर्व सूचना दिए वार्ड में सफाई कार्य बंद कर दिया गया जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। इसी प्रकार लखोली की महिला कृष्णा स्व सहायता समूह द्वारा भी वार्ड नं. 23 एवं 51 में सफाई कार्य का दायित्व सौपा गया था, किन्तु इनके द्वारा भी वार्ड नं. 23 में 14 अगस्त से एवं वार्ड नं. 51 में 6 अगस्त 2026 से सफाई कार्य बंद कर दिया गया, जबकि सफाई कार्य अति आवश्यक सेवा के अंतर्गत आता है। वर्तमान में बारिश के समय मे संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका रहती है, जिस वजह से साफ सफाई में सुधार की आवश्यकता होती है। नोटिस जारी कर अर्थदण्ड वसूला जायेगा।

अब छोटे बड़े व्यवसायियो को ट्रेड लायसेंस लेना अनिवार्य

राजनांदगांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार निकाय क्षेत्र में व्यवसाय करने वाले ठेला, खोमचा, छोटे बड़े दुकानदारो के लिए ट्रेड लायसेंस बनवाना अनिवार्य कर दिया है। इसके क्रियान्वयान के लिए निगम सीमाक्षेत्र के व्यवसायियो से निगम आयुक्त जी.आर.मरकाम ने टेऊड लायसेंस निगम कार्यालय में आकर बनवाने की अपील की है। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा है कि शासन के निर्देशानुसार राजनांदगांव निकाय क्षेत्रांतर्गत व्यवसाय करने वाले छोटे बड़े व्यावसायियों जो भवन, खुले स्थान, गुमटी, कच्ची दुकान, पान दुकान, होटल, वाहनों के माध्यम से किये जाने वाले व्यवसाय तथा छोटे बड़े दुकान एवं अन्य व्यापार करने वाले को टेऊड लायसेंस (अनुज्ञप्ति) लेना अनिवार्य है। उन्होने व्यापारियो से अपील करते हुए कहा है कि ट्रेड लायसेंस लेने समस्त व्यवासायी नगर निगम कार्यालय के लायसेंस शाखा में आकर निर्धारित फार्म, शुल्क जमा कर 15 दिवस के अंदर ट्रेड लायसेंस प्राप्त कर सकते है। लायसेंस नही लेने की स्थिति में संबंधित दुकानदार या व्यावसायी को नोटिस जारी कर अर्थदण्ड वसूला जायेगा।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया आज के दिन सारे भारत में मेगा रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रहा है. इसी तारतम्य में हमारे बैंक के रिटेल विभाग द्वारा भिलाई में मेगा रिटेल ऋण आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राहकों को हमारे बैंक की विविध रिटेल ऋण योजनाओं जैसे-आवास ऋण, वाहन ऋण, मार्टगेज लोन, गोल्ड लोन, एजूकेशन लोन, पर्सनल लोन व पेंशन लोन इत्यादि की जानकारी देना तथा ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार हरसंभव सहायता करते हुये रिटेल ऋण वितरित करना है जिससे ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा किया जा सके. इस कार्यक्रम में लगभग 100 ग्राहकों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित ग्राहकों को रिटेल ऋण संबंधी विविध योजनाओं की जानकारी देने के अलावा उनकी त्रऋण संबंधी समस्याओं के फीडबैक लेकर अपने रिटेल प्रोडक्ट व प्रक्रिया में यथासंभव सुधार करने का आश्वासन भी बैंक द्वारा दिया गया.

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री गंगाजली एजूकेशन सोसायटी की प्रेसीडेंट डॉ. जया मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआईटी भिलाई के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. प्रवीण वाराकर एवं लक्ष्मी एसोसिएट्स के पार्टनर श्री रजत देशलहरा उपस्थित थे।

विधायक चंद्राकर ने किया भूमिपूजन

■ रिसाली के चार वार्डों में होगा दो करोड़ पचपन लाख पच्चीस हजार के विकास कार्य

रिसाली (विश्व परिवार)। रिसाली निगम क्षेत्र के मैत्रीनगर, शक्ति विहार, लक्ष्मी नगर और इस्पात नगर वार्ड में दो करोड़ पचपन लाख पच्चीस हजार की राशि से सड़क, नाली, सड़क चैड़ीकरण, सामुदायिक भवन, सौंदर्यीकरण और उद्यान संधारण के कार्य किए जाऐंगे। शुक्रवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक वार्डों तक पहुंचे और विकास कार्यों की नींव रखी। उन्होंने रिसाली निगम क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को आम जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वपरि है। उन्होंने चुनावी दौरे का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें क्षेत्र के मतदाताओं ने जिताया है। जबसे वें विधायक बने है लगातार विकास कार्यो की भूमिपूजन प्राथमिकता के आधार मे कर रहे है। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद वें जल्द ही लोकार्पण करने भी आऐंगे। उन्होंने पूरे 40 वार्डों में बिना भेदभाव के स्वीकृत कार्यो को पूरा कराने पर जोर दिया।

कलिंगा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सीखी एआई की तकनीक

■ प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग से जाना बिजनेस में समस्या का समाधान

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर ने 'यंग इंडियंस' (Yi) और 'कैंपस ऑन' के सहयोग से तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के तत्वावधान में 'प्रबंधकीय छात्रों के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग' पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। इसका उद्देश्य छात्रों को व्यवसाय और प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना था। इस सत्र के माध्यम से कुल 111 छात्रों ने प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और AI टूल्स के व्यावहारिक उपयोग के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

AI विशेषज्ञ और उद्यमी श्री पार्थ मिरानी के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में छात्रों को ChatGPT, Claude AI और Google Gemini जैसे प्रमुख AI प्लेटफॉर्म्स से परिचित कराया गया। उन्होंने शोध, मार्केटिंग, रणनीति और बिजनेस ऑटोमेशन में इनके व्यावहारिक उपयोग का प्रदर्शन किया। व्याख्यान का मुख्य केंद्र 'Think - Prompt - Create - Improve' (सोचें - प्रॉम्प्ट दें - बनाएं - सुधारें) फ्रेमवर्क था, जो मानव रचनात्मकता और महत्वपूर्ण समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ाने में AI के उपयोग पर जोर देता है।

वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के डीन डॉ. श्रीकृष्ण ढाले ने श्री पार्थ मिरानी का स्वागत किया। कार्यक्रम में युवा चेयर सुश्री प्रियंका दुलहानी, सुश्री इशिका चौधरी एवं सुश्री श्रेया अग्रवाल की उपस्थिति रही। कला एवं मानविकी संकाय के सहायक प्राध्यापक एवं यंग इंडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. योगेश वैष्णव, BTCSAIML 5th सेमेस्टर के छात्र श्री अमन दुबे और BCAAIML 5th सेमेस्टर की छात्रा सुश्री शिवांशी भगत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन BTCSAIML 3rd सेमेस्टर की छात्रा सुश्री डॉली और BSCAIML 3rd सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पलक ने किया।

विशेषज्ञ श्री मिरानी ने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी AI उपयोग केवल प्रश्न पूछने तक सीमित नहीं है। छात्रों ने सीखा कि स्पष्ट भूमिका, संदर्भ, उद्देश्य, सीमाएं और वांछित आउटपुट फॉर्मेट प्रदान करके प्रॉम्प्ट को कैसे संरचित किया जाए। इस सत्र ने प्रतिभागियों को AI द्वारा दिए गए उत्तरों का गंभीर मूल्यांकन करने और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्हें परिष्कृत (refine) करने के लिए प्रेरित किया। इस सत्र ने छात्रों को जिम्मेदार और प्रभावी AI अपनाने में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया, जो उद्योग-उन्मुख शिक्षा, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार शिक्षण के प्रति कलिंगा विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

कलिंगा विश्वविद्यालय कार्यशालाओं, विशेषज्ञ वार्ताओं और नवाचार चुनौतियों के माध्यम से नेतृत्व, उद्यमशीलता की भावना और राष्ट्र निर्माण के कौशल को विकसित करने के लिए नियमित रूप से ऐसे सत्रों का आयोजन करता रहता है।

आईआईटी भिलाई को 'आरोहण पुरस्कार' व रेशमा बानो को 'विशिष्ट सेवा सम्मान' मिला

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग की63वीं छमाही बैठकमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई (IIT Bhilai) को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रोत्साहन के लिए 'आरोहण पुरस्कार'से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान कीश्रीमती रेशमा बानोको उनके उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए 'विशिष्ट सेवा सम्मान'प्रदान किया गया।

यह सम्मान संस्थान द्वारा राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना के रूप में प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि डॉ. महावीर शर्मा, सहायक प्राध्यापक भौतिकी विभाग एवं सदस्य राजभाषा प्रकोष्ठ,संस्थान के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी और राजभाषा समिति के सदस्यों सामूहिक परिश्रम का परिणाम हैं। इस उपलब्धि पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई केराजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं निदेशक, प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा किराजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग न केवल कार्यालयीन कार्यों को अधिक सुगम बनाता है, बल्कि संस्थान और समाज के बीच संवाद को भी सशक्त करता है। उन्होंने संस्थान के सभी सदस्यों से हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। श्रीमती रेशमा बानो को प्राप्त 'विशिष्ट सेवा सम्मान'उनके समर्पण, कार्य निष्ठा, कर्तव्य परायणता एवं संस्थान के प्रति उत्कृष्ट सेवा भाव की गौरवपूर्ण पहचान है। यह सम्मान उनके द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में प्रदर्शित निरंतर प्रतिबद्धता, अनुशासन, परिश्रम तथा उत्कृष्ट कार्यशैली का सशक्त प्रमाण है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 22 अगस्त 2026

खारुन नदी में मिली 53 वर्षीय व्यक्ति की लाश, 18 अगस्त से था लापता

रायपुर। राजधानी रायपुर में खारुन नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डीडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चंगोराभाटा निवासी 53 वर्षीय उमेन्द्र देवांगन के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक उमेन्द्र देवांगन 18 अगस्त को बिना किसी को बताए घर से निकले थे, जिसके बाद वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी तलाश के बाद डीडी नगर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बीच खारुन नदी में एक व्यक्ति का शव तैरता दिखाई देने की सूचना पुलिस को मिली।

अब अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से सीधे रोशन होगी राजधानी रायपुर

- राजधानी के सप्लाई ग्रिड से भी जोड़ा गया मड़वा संयंत्र
- 400 के.वी. रायता उपकेंद्र से दलदलसिवनी तक 220 के.वी. अति उच्च दाब डबल सर्किट लाइन हुई चालू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 400 के.वी. रायता (धरसीवां) उपकेंद्र से रायपुर के दलदलसिवनी स्थित निर्माणाधीन 220 के.वी. उपकेंद्र तक लगभग 27 किलोमीटर लंबी 220 के.वी. अति उच्च दाब डबल सर्किट विद्युत लाइन सफलतापूर्वक चालू कर दी गई है। इससे रायपुर का सप्लाई ग्रिड सीधे मड़वा प्लांट से जुड़ गया है।

लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस लाइन के माध्यम से राजधानी रायपुर की लगभग 40 प्रतिशत विद्युत आपूर्ति अब जांजगीर-चांपा जिले के अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा से सीधे की जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। वहीं चेयरमैन सुबोध कुमार सिंह ने कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए इसे राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा में 500-500 मेगावाट क्षमता की दो आधुनिक ताप विद्युत उत्पादन इकाइयाँ संचालित हैं। राजधानी रायपुर में सामान्यत: 500 से 700 मेगावाट तक विद्युत की मांग रहती है। नई लाइन के चालू होने से राजधानी की इस मांग की आपूर्ति सीधे मड़वा ताप विद्युत गृह से की भी जा सकेगी। इससे घरेलू एवं गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ उरला, सिलतरा और मेटल पार्क स्थित औद्योगिक क्षेत्रों को भी अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कंप्यूटर पर क्लिक कर रायता उपकेंद्र से इस नई लाइन का सफलतापूर्वक चार्जिंग कार्य संपन्न कराया। यह लाइन कुशल, सिलियारी, पथरी, टोर, बरबंदा, नेवरा, मटिया, दोंदेखुर्द, सेमरिया, गिरहोली, मांढ़र, गिरौद, बरौदा, टेकरी तथा उरकुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरती है।

दलदलसिवनी के पूर्वी भाग में 2म160 एम.वी.ए. क्षमता के 220/132/33 के.वी. उपकेंद्र का निर्माण अंतिम चरण में है। इसके शीघ्र चालू होने से राजधानी रायपुर की उच्च दाब विद्युत अधोसंरचना और अधिक मजबूत होगी तथा लगभग 50 हजार से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी सर्वश्री संजय पटेल, प्रसन्ना गोस्वामी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरके तिवारी, ईश्वर कंवर, अधीक्षण अभियंता वीए देशमुख, कार्यपालन अभियंता यूके यादव, सुधांशु त्रिपाठी व सुचिंद्र उइके सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

चमोली सुरंग हादसे में मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए सहायता राशि देने के निर्देश

- दुःख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उत्तराखंड के चमोली में निर्माणाधीन सुरंग में पानी भरने की दु:खद घटना में कोंडागांव जिले के 4 श्रमिकों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए तथा हादसे में घायल दोनों श्रमिकों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

इस हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के 2, मदनार के 1 और दहीकोंगा के 1 श्रमिक की मृत्यु हुई है, जबकि जिले के 2 श्रमिक घायल हुए हैं। दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने हादसे में घायल दोनों श्रमिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने सहयोग केंद्र में किया कार्यकर्ताओं से संवाद

- सहयोग केंद्र में कार्यकर्ताओं के आवेदनों का हो रहा है निराकरण

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सहयोग केंद्र के माध्यम से कार्यकर्ता अपने आवेदनों को लेकर प्रदेश सरकार के मंत्रियों से संवाद कर उचित निराकरण पा रहे हैं। इसी कड़ी में आज सहयोग केंद्र में केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया एवं उनके आवेदनों, मांगो एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान सहयोग केंद्र में 55 से अधिक आवेदन आए एवं प्रदेश भर से 200 से अधिक कार्यकर्ता पहुंचे।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि सहयोग केंद्र के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता सरकार से अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु संपर्क कर रहे हैं और उन्हें उनके आवेदनों का निराकरण भी प्राप्त हो रहा है जिससे कार्यकर्ताओं में संगठन एवं सरकार के प्रति विश्वास नेता बढ़ी हुई है।

इस दौरान सहयोग केंद्र में प्रदेश महामंत्री डॉ नवीन मार्कण्डेय एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने मौजूद रहे।

तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को मिलेगा सम्मान एवं नकद पुरस्कार

- रेल मंत्रालय की 'लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड द्वारा रेलों के सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ-साथ आम भारतीय नागरिकों में तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025' लागू की गई है। योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट मौलिक पुस्तकों का चयन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार 20,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 10,000 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 7,000 रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। योजना का उद्देश्य तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में अधिकाधिक मौलिक साहित्य उपलब्ध कराने तथा लेखकों की साहित्यिक एवं तकनीकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है।

पात्रता एवं प्रमुख शर्तें: प्रस्तुत पुस्तक पूर्णत: मौलिक होनी चाहिए। अन्य भाषा से अनूदित, संपादित अथवा इंटरनेट से डाउनलोड/कॉपी की गई पुस्तकों पर विचार नहीं किया जाएगा। पुस्तक का विषय रेल संचालन, रेल प्रबंधन अथवा भारतीय रेल से संबंधित अन्य तकनीकी विषयों पर आधारित होना चाहिए। वर्ष 2025 के लिए पुस्तक का लेखन अथवा प्रकाशन कार्य 01 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के बीच पूर्ण हुआ होना चाहिए। पुस्तक कम से कम 100 पृष्ठों की होनी चाहिए तथा फॉन्ट का आकार 12 से अधिक नहीं होना चाहिए। भारत सरकार, राज्य सरकार अथवा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की किसी योजना के अंतर्गत पूर्व में पुरस्कृत पुस्तक को इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा। इस योजना में पहले प्रस्तुत की जा चुकी पुस्तक को पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकेगा।

प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी अपनी पुस्तक/कृति की 02 मुद्रित अथवा टंकित प्रतियों के साथ निर्धारित आवेदन प्रपत्र एवं घोषणा-पत्र में अपेक्षित जानकारी भरकर निदेशक, राजभाषा, कक्ष संख्या-376 (जी), रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), रेल भवन, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेज सकते हैं। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

रेल प्रशासन ने तकनीकी विशेषज्ञों, साहित्यकारों, रेलकर्मियों, सेवानिवृत्त रेलकर्मियों तथा हिंदी में तकनीकी लेखन में रुचि रखने वाले सभी पात्र भारतीय नागरिकों से इस प्रतिष्ठित पुरस्कार योजना में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है। यह पहल हिंदी में तकनीकी साहित्य के विकास तथा भारतीय रेल से संबंधित ज्ञान एवं अनुभव को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पॉवर कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के जनसंपर्क अधिकारी श्री विकास शर्मा को प्रबंध निदेशक पदक से सम्मानित किया गया है। पॉवर कंपनी के गौरवशाली इतिहास, विकास यात्रा, उपलब्धियों, वर्तमान कार्यप्रणाली एवं भावी योजनाओं को समाहित करते हुए 'सफलता का सफरनामा' पुस्तक के संकलन, लेखन एवं संपादन के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने श्री शर्मा को पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक ने श्री शर्मा की साहित्यिक एवं संस्थागत उपलब्धि, समर्पण, सृजनात्मक सोच और उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने 'सफलता का सफरनामा' को पावर कंपनी की गौरवशाली यात्रा एवं उपलब्धियों को दस्तावेज के रूप में संजोने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

श्री शर्मा ने बताया कि करीब 10 माह के अथक प्रयासों से पुस्तक को अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बीच अधिकारियों एवं सहकर्मियों से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि श्री शर्मा को सफलता का सफरनामा पुस्तक लेखन के लिए पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफइंडिया (पी आर एस आई) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

सीपेट रायपुर और डीटीआईसी दंतेवाड़ा द्वारा 'ग्रीन पैकेजिंग' पर कार्यशाला आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, सीपेट रायपुर ने भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की RAMP योजना के अंतर्गत, डीटीआईसी दंतेवाड़ा के सहयोग से 'एमएसएमई के लिए ग्रीन पैकेजिंग: अवसर एवं व्यवहार' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) द्वारा प्रायोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. आलोक साहू, प्रधान निदेशक एवं प्रमुख, सीपेट रायपुर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'ग्रीन पैकेजिंग: एक व्यावहारिक रोडमैप' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

कार्यशाला में अन्य विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे:- रेहान अली प्रधान, संस्थापक एवं सीईओ, मेटोल्यूशंस प्रा. लि., बैंगलोर ने कृषि उप-उत्पादों से बने बायोपॉलिमर कंपाउंड्स फॉर ग्रीन पैकेजिंग पर प्रस्तुति दी।

डी.आर. कुर्रे, प्रबंधक, डीटीआईसी दंतेवाड़ा ने छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग विभाग की एमएसएमई योजनाओं पर व्याख्यान दिया। रूपेश कुमार सिन्हा, व्याख्याता, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एनएमडीसी पॉलिटेक्निक कॉलेज, दंतेवाड़ा ने बायोडिग्रेडेबल/ कम्पोस्टेबल सामग्री: अनुप्रयोग एवं परीक्षण पर जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की।

उरकुरा गेट पर नई रेलवे लाइन बिछाने के कार्य हेतु सड़क यातायात रहेगा बंद

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल द्वारा समपार क्रमांक 414, उरकुरा गेट, किमी 823/10-08 पर नई रेलवे लाइन बिछाने का कार्य किया जाना है। इस कार्य के सुचारु एवं सुरक्षित निष्पादन हेतु दिनांक 26 अगस्त 2026 को शाम 06:00 बजे से आगामी आदेश तक, सामान्यत: 27 अगस्त 2026 की सुबह 06:00 बजे तक, संबंधित समपार सड़क मार्ग पर आवागमन बंद रहेगा।

यह समपार मांढर-उरकुरा रेलखंड में स्थित है। कार्यस्थल का मार्ग डब्ल्यू.आर.एस.-उरकुरा पहुंच मार्ग, रेलवे परिसर, समपार क्रमांक 414, उरकुरा मेन गेट है।

रेलवे द्वारा आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अनुरोध किया गया है कि उक्त अवधि में उरकुरा गेट से आवागमन न करें तथा वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों, स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि कार्य अवधि के दौरान सहयोग प्रदान करें, ताकि रेलवे का कार्य सुरक्षित एवं निर्धारित समय में पूरा किया जा सके।

त्यौहारों की मिठास शक्कर की बढ़ती कीमत फीका कर रही है: उपाध्याय

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने बताया कि बढ़ती महंगाई से देश की जनता का जीना दुश्वार होते जा रहा है और वहीं हिन्दुओं के त्यौहार प्रारंभ होने से पहले देश में शक्कर की कीमत आसमान छू रही है। त्यौहारों की मिठास शक्कर की बढ़ती कीमत फीका कर रही है। उपाध्याय ने कहा कि उत्पादन और बाजार में उपलब्ध स्टॉक की वजह से शक्कर की कीमत में बढ़ोतरी हो रही है, कई चीनी मिलों में शक्कर का स्टॉक खत्म हो गया है वहीं विशेषज्ञों के अनुसार इस साल गन्ने के उत्पादन पर मौसम का असर पड़ने की संभावना भी बनी हुई है। उपाध्याय ने बताया कि जब गन्ने की उपलब्धता और चीनी उत्पादन को लेकर बाजार में चिंता बढ़ती है तो इसका सीधा असर कीमतों पर दिखाई देता है और इसी के कारण दूसरे देशों को चीनी निर्यात पर पाबंदी लगाई गई है। जो निर्यात का आंकड़ा 4 साल पहले 1.33 करोड़ टन था अब वह ज़ीरो हो गया है। वहीं एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का इस्तेमाल करना भी शक्कर की बढ़ती कीमत की वजह है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर द्वारा भी कहा गया कि "हम 3 साल से कह रहे हैं कि चीनी के गन्ने का एथेनॉल में उपयोग मुश्किलें खड़ी करेगा।" उपाध्याय ने आगे कहा कि इसी कारण से देशभर में सरकार ने एक अगस्त 2026 से स्टॉक लिमिट लागू करने का ऐलान किया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354